लखनऊ

शनिवार, 25 अप्रैल, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 241

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"एक छात्र की सबसे बड़ी ताक़त उसकी जिज्ञासा और सीखने का जुनून होता है इसे कभी खत्म मत होने दो।"

TODAY WEATHER

DAY 42° Hi

NIGHT 26° Low

संक्षेप

योगी आदित्यनाथ सरकार ने जारी किया 250 करोड़ का फंड, अब शिक्षा मित्रों खाते में हर माह जाएगा 18 हजार रुपये

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ सरकार ने कैबिनेट में अनुमोदन के बाद प्रदेश के एक लाख 42 हजार शिक्षामित्रों को बढ़ा हुआ मानदेय जारी कर दिया है। सरकार ने हर माह उनके खाते में 18-18 हजार रुपये मानदेय के लिए विभाग को 250 करोड़ रुपये का फंड जारी किया है। योगी आदित्यनाथ सरकार ने मार्च में शिक्षा मित्रों का मानदेय 10 हजार से बढ़ाकर 18 हजार रुपया किया था। अप्रैल से शिक्षा मित्रों को बढ़ा हुआ मानदेय दिया जाएगा। शिक्षा विभाग ने पहले ही मानदेय बढ़ाने का आदेश जारी कर चुकी है। शिक्षा मित्रों को 11 महीने का वेतन दिया जाता है। सरकार ने जिलेवार जारी फंड की सूची भी जारी की है। परिषदीय स्कूलों में कार्यरत शिक्षामित्रों के लिए बड़ी राहत की खबर है। प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 में शिक्षामित्रों को 18 हजार रुपये प्रति माह मानदेय देने के लिए 250 करोड़ रुपये (25,000 लाख) की धनराशि जारी कर दी है। यह भुगतान एक अप्रैल 2026 से लागू होगा।

लोकतांत्रिक परंपरा मजबूत हुई : पश्चिम बंगाल में पहले चरण में रिकॉर्ड मतदान पर सीजेआई ने जताई खुशी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में गुरुवार को संपन्न पहले चरण के चुनाव में मतदान प्रतिशत 92 फीसदी से अधिक दर्ज किया गया। मतदान प्रतिशत को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने संतोष और खुशी जाहिर की है। सर्वोच्च अदालत ने इसे लोकतंत्र के लिए सकारात्मक संकेत बताते हुए कहा कि बड़ी संख्या में लोगों का मतदान में हिस्सा लेना देश की लोकतांत्रिक परंपरा को मजबूत करता है। एक सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने टिप्पणी करते हुए कहा कि भारत का एक नागरिक होने के नाते मैं मतदान प्रतिशत देखकर बहुत खुश हूं। जब लोग वोट डालते हैं तो लोकतंत्र मजबूत होता है। जब नागरिक अपने वोट की अहमियत समझते हैं, तो वे हिंसा से दूर रहते हैं। इस दौरान जस्टिस बागची ने भी चुनाव प्रक्रिया को लेकर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पहले चरण के दौरान किसी बड़ी हिंसक घटना की खबर सामने नहीं आई, जो एक सकारात्मक संकेत है। उन्होंने कहा कि राजाओं के बीच युद्ध होता है, लेकिन जान आम लोगों की जाती है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भी मतदान को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि 92 फीसदी से अधिक मतदान लोकतंत्र के प्रति जनता के विश्वास को दर्शाता है। कुछ छिटपुट घटनाओं को छोड़ दिया जाए तो चुनाव पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा और केंद्रीय सुरक्षा बलों ने इस दौरान शानदार काम किया है। पश्चिम बंगाल में संपन्न पहले चरण की वोटिंग में 91.78 प्रतिशत दर्ज किया गया। यह 2011 में बने पिछले रिकॉर्ड 84.72 प्रतिशत से भी ज्यादा था। महिलाओं की भागीदारी एक बार फिर सबसे आगे रही, जो 92.69 प्रतिशत थी। इसकी तुलना में पुरुष मतदाताओं में यह 90.92 प्रतिशत थी।

टीएमसी के गुंडों को छिपने की जगह नहीं मिलेगी, रिकॉर्ड मतदान बता रहा जंगल राज का अंत हुआ: पीएम मोदी

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के पहले चरण के चुनाव में हुई रिकॉर्ड वोटिंग पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पानीहाटी की रैली में कहा कि अब टीएमसी के गुंडों को छिपने की जगह नहीं मिलेगी। रिकॉर्ड तोड़ मतदान से यह साबित कर दिया है कि पश्चिम बंगाल से जंगल राज का अंत होने जा रहा है। पहले चरण के चुनाव में भारी मतदान देखकर तृणमूल घबरा गई है। टीएमसी महिला विरोधी पार्टी है, जबकि भाजपा महिला नेतृत्व वाले विकास मॉडल पर काम करती है। प्रधानमंत्री मोदी ने खुशी जाहिर करते हुए कहा, 'पहले चरण के मतदान ने तृणमूल के 'महाजंगल राज' का अंत सुनिश्चित कर दिया है। चार मई को चुनाव परिणाम आने के बाद, तृणमूल के गुंडों को छिपने की जगह नहीं मिलेगी। बंगाल की बहनों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि महिलाओं की सुरक्षा हमारे लिए सर्वोपरि रहेगी। हम टीएमसी के कुशासन, भ्रष्टाचार और घुसपैठियों के चंगुल से बंगाल को मुक्त कराने के लिए जनता का आशीर्वाद, यानी वोटों का आशीर्वाद चाहते हैं। जब बंगाल की महिलाएं न्याय की मांग करती हैं, तो टीएमसी उन्हें घर से बाहर नहीं निकलने को कहती है। जब बंगाल की महिलाएं न्याय की मांग करती हैं, तो टीएमसी उन्हें घर से बाहर नहीं निकलने को कहती है।'

टीएमसी के गुंडों को छुपने की जगह नहीं मिलेगी

पीएम मोदी ने कहा कि अब TMC बहुत बुरी तरह बौखला गई है। कल रात भर वह अपने गुंडो को ताकत दे रही थी। मैं बंगाल की जनता, भाजपा कार्यकर्ताओं, जनता से कहूंगा कि मत भूलिए यह क्रांति की धरती है, यह वीरों की धरती है। 4 मई को नतीजें आने के बाद TMC के गुंडों को छुपने की जगह नहीं मिलेगी, कोई बचाने वाला नहीं मिलेगा। पहले चरण के मतदान ने TMC के महांजगलराज के अंत का उद्घोष है।

जाली दस्तावेजों से 20 करोड़ की कमाई, लैब रिपोर्ट भी फर्जी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), भोपाल क्षेत्रीय कार्यालय ने जयश्री गायत्री फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (जेजीएफपीपीएल) और अन्य से संबंधित चल रही धन शोधन की जांच के सिलसिले में सुनील त्रिपाठी को गिरफ्तार किया है। विशेष न्यायालय (पीएमएलए), भोपाल ने आरोपी को 28 अप्रैल तक ईडी की हिरासत में भेज दिया है। मेसर्स जयश्री गायत्री फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के पूर्व सीईओ, आरोपी सुनील त्रिपाठी ने ईडी की जांच में सहयोग नहीं किया। ईडी द्वारा जारी किए गए कई ईमेल संदेश और समन को जानबूझकर नजरअंदाज किया। आरोप है कि इस मामले में जाली दस्तावेजों के बल पर कंपनी ने मिलावटी उत्पादों का निर्यात कर 20 करोड़ रुपये की आपराधिक आय एकत्रित की।

'बंगाल जीतने के बाद दिल्ली पर कब्जा कर लूंगी', मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का भाजपा पर तीखा वार

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर तीखा हमला बोलते हुए दावा किया है कि राज्य विधानसभा चुनावों में जीत हासिल करने के बाद वह दिल्ली को भी जीत लेंगी। गुरुवार को चौरंगी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि वह सभी विपक्षी दलों को एकजुट करके केंद्र में बीजेपी को खत्म कर देंगी। उन्होंने कहा कि मैंने उन सभी लोगों के नाम लिख लिए हैं जो BJP के लिए दलाल का काम कर रहे हैं—ए से लेकर जेड तक, और उनके घरों की जगह भी। तो, आपको लगता है कि आप हम पर नज़र रख सकते हैं? आपने जिस भी व्यक्ति को पार्टी में शामिल किया है, उसे बीजेपी में लाने से पहले उसके पारिवारिक पृष्ठभूमि की पूरी जाँच-पड़ताल की है, और अधिकारियों की नियुक्ति भी आपने उसी आधार पर की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह याद रखना, तुममें हमें हराने की काबिलियत नहीं है। हम अन्याय के खिलाफ लड़ते हैं; हम अपने अधिकारों के लिए लड़ते हैं। मेरा जन्म बंगाल में हुआ था, और मैं अपनी आखिरी सांस भी इसी बंगाल में लूंगी। मैं दिल्ली को जीतूंगी, इस बात का पूरा भरोसा रखना; एक बार जब मैं बंगाल में जीत हासिल कर लूंगी, तो मैं सभी राजनीतिक पार्टियों को एक साथ लाकर ऐसा करूंगी। मुझे सत्ता की कुर्सी का कोई लालच नहीं है; मेरी बस यही इच्छा है कि दिल्ली में BJP को पूरी तरह से खत्म कर दिया जाए। बंगाल में उनका खत्म होना तो तय है ही, लेकिन बीजेपी को दिल्ली से भी बाहर निकालना होगा। इस बात को अपने दिमाग में अच्छी तरह बिठा लो।

कोलकाता के अन्य निर्वाचन क्षेत्रों के साथ-साथ, चौरंगी सीट पर भी दूसरे चरण में 29 अप्रैल को चुनाव होंगे। ममता बनर्जी ने एक रैली की, जिसमें उन्होंने बीजेपी के संतोष पाठक के खिलाफ टीएमसी की उम्मीदवार और दो बार की मौजूदा विधायक नयना बंदोपाध्याय के लिए वोट की अपील की।

महिलाओं की सुरक्षा, हमारी प्राथमिकता : अमित शाह

भय जाने वाला है, भरोसा आने वाला है

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव का सियासी माहौल लगातार गरमाता जा रहा है। पहले चरण में हुए रिकॉर्ड मतदान ने जहां चुनावी मुकाबले को नया मोड़ दिया है, वहीं अब सभी राजनीतिक दल दूसरे चरण की तैयारी में पूरी ताकत झोंकते नजर आ रहे हैं। 29 अप्रैल को होने वाले दूसरे चरण से पहले राजधानी कोलकाता में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी बीच शुक्रवार को भाजपा के शीर्ष नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोलकाता में प्रेस वार्ता किया, इस दौरान उन्होंने बंगाल चुनाव के लिए पहले चरण में हुए रिकॉड मतदान के लिए राज्य की जनता का धन्यवाद दिया। साथ ही कहा कि बंगाल की जनता ने परिवर्तन के लिए वोट किया है। उन्होंने पहले चरण में हुए रिकॉर्ड मतदान के लिए बंगाल की जनता को बधाई दिया। अमित शाह ने कहा कि कल के मतदान में बंगाल की जनता ने परिवर्तन के लिए वोट दिया, जिसके लिए मैं उनका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं।

बंगाल के लोगों ने अपने भविष्य का फैसला कर लिया- शाह

शाह ने कहा कि पहले चरण के मतदान के बाद जो फीडबैक मिला है, उसके अनुसार बंगाल के लोगों ने अपने भविष्य का फैसला कर लिया है। अमित शाह ने बताया कि 16 जिलों की 52 सीटों पर हुए मतदान में करीब 92.98 प्रतिशत वोटिंग हुई है, जिसे उन्होंने ऐतिहासिक बताया। उन्होंने दावा किया कि इस भारी मतदान से यह संकेत मिलता है कि राज्य में बदलाव की लहर चल रही है। शाह ने यह भी कहा कि पार्टी की आंतरिक समीक्षा के अनुसार आने वाले चुनावी परिणामों में बड़ी जीत की संभावना है। उन्होंने दावा किया कि कुल 152 सीटों में से भाजपा 110 से ज्यादा सीटें जीत सकती है। उन्होंने आगे कहा कि दूसरे चरण के बाद पश्चिम बंगाल में पूरी तरह से भाजपा की सरकार बनने की संभावना है। शाह के अनुसार, यह चुनाव जनता के भरोसे और बदलाव की इच्छा को दर्शाता है और आने वाले समय में राज्य में नई राजनीतिक दिशा देखने को मिल सकती है।

चुनाव आयोग को कहा धन्यवाद

प्रेस वार्ता के दौरान अमित शाह ने आगे चुनाव आयोग की पूरी टीम की सराहना की। उन्होंने कहा कि वह चुनाव आयोग की पूरी टीम, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, चुनाव प्रक्रिया में जुड़े सभी अधिकारियों और पश्चिम बंगाल पुलिस को बधाई देते हैं। उन्होंने बताया कि लंबे समय बाद ऐसा चुनाव हुआ है जिसमें किसी भी व्यक्ति की मौत नहीं हुई। शाह के अनुसार, यह अपने आप में एक चमत्कार जैसा है कि इतनी शांत और सुरक्षित तरीके से मतदान संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि यह चुनाव व्यवस्था और सुरक्षा एजेंसियों के बेहतर तालमेल का परिणाम है, जिसने मतदान को सुरक्षित और शांतिपूर्ण बनाने में अहम भूमिका निभाई।

बंगाल में शाह के राजनीति वादे

कोलकाता में पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कई बड़े राजनीतिक वादे किए। उन्होंने कहा कि अगर राज्य में भाजपा की सरकार बनती है तो हजारों हेक्टेयर जमीन से अवैध कब्जे हटाए जाएंगे और इन जमीनों को विकास के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। शाह ने कहा कि असम की तरह बंगाल में भी अवैध कब्जों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि सभी धार्मिक त्योहार जैसे राम नवमी, सरस्वती पूजा और दुर्गा विसर्जन बिना किसी रोक-टोक के शांतिपूर्ण तरीके से मनाए जाएंगे।

बंगाल सरकार पर शाह ने लगाए गंभीर आरोप

कृषि के मुद्दे पर अमित शाह कहा कि पिछले 50 वर्षों में बंगाल में खेती के लिए कोई बड़ा सामूहिक प्रयास नहीं हुआ है। भाजपा सरकार आने पर किसानों के लिए आधुनिक शोध केंद्र बनाए जाएंगे ताकि पारंपरिक फसलों को बेहतर बनाया जा सके। शाह ने यह भी आरोप लगाया कि राज्य में बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार हुआ है और हजारों करोड़ रुपये के घोटालों के मामले सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा सत्ता में आती है तो एक श्वेत पत्र जारी किया जाएगा और सभी मामलों की जांच सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज से कराई जाएगी।

राहुल गांधी के 'पोलराइजेशन' वाले आरोप पर भाजपा का पलटवार, रिजिजू बोले- कांग्रेस का स्टैंड ही साफ नहीं है

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने 24 अप्रैल को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की आलोचना की, जब राहुल गांधी ने तृणमूल कांग्रेस की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर पश्चिम बंगाल का ध्रुवीकरण करने और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को राज्य में लाभ प्राप्त करने में सक्षम बनाने का आरोप लगाया था। किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी के बयान में विरोधाभासों की ओर इशारा करते हुए कहा कि जहां राहुल गांधी पश्चिम बंगाल में कांग्रेस की जीत की भविष्यवाणी कर रहे हैं, वहीं वे तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की इस बात के लिए आलोचना भी कर रहे हैं कि उसने भाजपा को अपनी पकड़ मजबूत करने दी। रिजिजू ने कहा कि यह हैरान करने वाला है। एक तरफ राहुल गांधी जी कह रहे हैं कि पश्चिम बंगाल में सिर्फ कांग्रेस ही भाजपा को हरा सकती है, वहीं दूसरी तरफ वे कह रहे हैं कि टीएमसी की ध्रुवीकरण की राजनीति के कारण भाजपा पश्चिम बंगाल का चुनाव जीतेगी! पिछले दिन, राहुल गांधी ने कांग्रेस के लिए वोट मांगते हुए कहा था कि अगर ममता जी ने स्वच्छ सरकार चलाई होती और पश्चिम बंगाल में ध्रुवीकरण न किया होता, तो भाजपा के लिए बंगाल में पैठ बनाना नामुमकिन होता। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी भाजपा के खिलाफ लड़ेगी और उसे हरा सकती है।

'कोई अदालत नाबालिग को गर्भावस्था बनाए रखने के लिए मजबूर नहीं कर सकती', सुप्रीम कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक अहम फैसला देते हुए कहा कि किसी भी महिला, विशेषकर नाबालिग, को उसकी इच्छा के खिलाफ गर्भावस्था के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। इस फैसले के साथ सुप्रीम कोर्ट ने 15 वर्षीय एक नाबालिग लड़की को सात महीने से अधिक की गर्भावस्था को मेडिकल तरीके से खत्म करने की अनुमति दे दी। अदालत ने कहा कि इस मामले में गर्भ अनचाहा है। साथ ही, उसने पहले दो बार आत्महत्या का प्रयास किया है, ऐसे में गर्भावस्था जारी रखना उसके हित में नहीं है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि गर्भवती महिला की पसंद सर्वोपरि है, न कि जन्म लेने वाले बच्चे की। अदालत ने कहा कि जबरन गर्भावस्था को जारी रखने से नाबालिग के मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक स्थिति और समग्र विकास पर गहरा असर पड़ सकता है। पीठ ने कहा कि महिला की प्रजनन संबंधी स्वायत्तता को सर्वोच्च महत्व दिया जाना चाहिए। यदि किसी महिला को अनचाहे गर्भ को जारी रखने के लिए मजबूर किया जाता है, तो यह उसके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन होगा। अदालत ने कहा, 'अपने शरीर से जुड़े फैसले लेने का अधिकार, खासकर प्रजनन से संबंधित मामले, संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजता का अभिन्न हिस्सा है। इस अधिकार को गलत प्रतिबंध लगाकर कमजोर नहीं किया जा सकता, खासकर नाबालिगों और अनचाहे गर्भ के मामलों में। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि कोई भी अदालत किसी भी महिला को उसकी इच्छा के खिलाफ गर्भवस्था के लिए मजबूर नहीं कर सकती और खासकर नाबालिग को तो बिल्कुल नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि किसी भी महिला, खासकर नाबालिग, को उसकी इच्छा के खिलाफ गर्भवस्था के लिए बाध्य करना न सिर्फ उसकी आजादी की अनदेखी होगी, बल्कि इससे उसे गंभीर मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक आघात भी पहुंच सकता है।

पीएम मोदी का 'एसआईआर' दांव पश्चिम बंगाल में हुआ फेल? रिकॉर्ड वोटिंग पर अरविंद केजरीवाल ने कसा तीखा तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के खिलाफ राजनीतिक प्रतिक्रिया पनप रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में रिकॉर्ड मतदान के बाद मोदी जी की एसआईआर उन्हीं के खिलाफ जा रही है। केजरीवाल ने X पर लिखा कि पश्चिम बंगाल में यह बात सामने आ रही है कि लोग SIR के खिलाफ मजबूती से वोट डाल रहे हैं। मोदी जी का SIR उन्हीं के खिलाफ हो रहा है। उनकी यह टिप्पणी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा गुरुवार को यह घोषणा करने के कुछ ही समय बाद आई कि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में स्वतंत्रता के बाद से अब तक का सबसे अधिक मतदान हुआ है, क्योंकि मतदान शाम 6 बजे समाप्त हो गया। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद से पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में अब तक का सबसे अधिक मतदान प्रतिशत – चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के प्रत्येक मतदाता को सलाम करता है। विधानसभा चुनावों के लिए मतदान गुरुवार शाम को समाप्त हो गया। भारतीय चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, पश्चिम बंगाल में प्रथम चरण में तमिलनाडु के 84.80 प्रतिशत की तुलना में 91.91 प्रतिशत का उल्लेखनीय रूप से उच्च मतदान दर्ज किया गया।

कलयुगी मां का खौफनाक कदम, आईफोन फैक्ट्री के टॉयलेट में नवजात को जन्म देते ही रेता गला

बेंगलुरु, एजेंसी। कहा जाता है कि दुनिया में मां की ममता से बढ़कर कुछ नहीं होता, लेकिन बेंगलुरु से एक ऐसा रूह कंपा देने वाला मामला सामने आया है जिसने इस पवित्र रिश्ते को तार-तार कर दिया है। यहां एक 19 साल की अविवाहित लड़की ने अपने ही जिगर के टुकड़े को जन्म देते ही मौत के घाट उतार दिया। इस कलयुगी मां ने हैवानियत की सारी हदें पार करते हुए कारखाने के टॉयलेट में पहले नवजात का बेरहमी से गला रेता और फिर उसे कूड़ेदान में फेंक दिया।

दिल दहला देने वाली यह घटना बेंगलुरु ग्रामीण जिले में स्थित आईफोन बनाने वाली कंपनी फॉक्सकॉन के कारखाने की है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी लड़की की पहचान रेणुका के रूप में हुई है, जो इसी फैक्ट्री में काम करती है। अधिकारियों को शक है कि ड्यूटी के दौरान जब वह टॉयलेट गई तो उसे अचानक तेज प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। इसके बाद उसने किसी को खबर किए बिना वहीं शौचालय के अंदर ही बच्चे को जन्म दे दिया।

बदनामी के डर से मासूम को दी खौफनाक मौत

शुरुआती जांच में सामने आया है कि कुंवारी होने के कारण सामाजिक बदनामी और कलंक के डर से लड़की ने यह खौफनाक कदम उठाया। जन्म देने के बाद उसने बिना कोई रहम खाए अपने नवजात बच्चे का गला काट दिया। हत्या करने के बाद उसने मासूम के शव को एक काली पन्नी में डाला और टॉयलेट में रखे डस्टबिन में फेंक दिया। इस क्रूर वारदात का खुलासा तब हुआ जब फैक्ट्री का ही एक अन्य कर्मचारी वहां गया और उसकी नजर डस्टबिन में पड़े बच्चे के क्षत-विक्षत शव पर पड़ी।

आरोपी लड़की अस्पताल में भर्ती, हत्या का केस दर्ज

डस्टबिन में नवजात का शव मिलने से कारखाने में हड़कंप मच गया और तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी गई। जानकारी मिलते ही विश्वनाथपुरा पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। पुलिस ने आरोपी लड़की रेणुका की पहचान कर उसे हिरासत में लिया। फिलहाल प्रसव के बाद उसकी शारीरिक स्थिति को देखते हुए उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या समेत संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

भारतीय सेना में ऑफिसर बनने का शानदार मौका, वेटरनरी ग्रेजुएट्स के लिए निकली सीधी भर्ती, ऐसे करें आवेदन

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन आर्मी में शामिल होकर देश की सेवा करने की इच्छा रखने वाले युवाओं के लिए एक शानदार मौका सामने आया है। भारतीय सेना ने 95वीं शॉर्ट सर्विस कमीशन के तहत पुरुष और महिला दोनों ही वेटनरी ग्रेजुएट उम्मीदवारों के लिए रीमाउंट वेटरनरी कोर में कुल 20 पदों पर भर्ती के लिए अलग-अलग आधिकारिक अधिसूचना जारी की है।

इन पदों के लिए ऑनलाइन माध्यम से आवेदन प्रक्रिया पुरुष उम्मीदवारों के लिए 17 अप्रैल से शुरू हो गई है और अप्लाई करने की अंतिम तिथि 18 मई तय की गई है। वहीं, महिला उम्मीदवारों के लिए आवेदन प्रक्रिया 15 अप्रैल से शुरू हो गई है और अप्लाई करने की अंतिम तिथि 15 मई तय की गई है। ऐसे में जो योग्य और इच्छुक उम्मीदवार एप्लीकेशन फॉर्म भरना चाहते हैं, वे आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर तय अंतिम तिथि तक अपना रजिस्ट्रेशन फॉर्म जमा कर सकते हैं। भारतीय सेना की ओर से जारी पदों में 18 पद पुरुषों और 2 महिलाओं के शामिल हैं। उम्मीदवारों की न्यूनतम आयु 21 वर्ष और अधिकतम आयु 32 वर्ष तय की गई है, जिसकी गणना 15 मई के आधार पर की जाएगी। योग्य अभ्यर्थियों का चयन प्रारंभिक स्क्रीनिंग, एसएसबी इंटरव्यू, मेरिट लिस्ट और मेडिकल परीक्षा के आधार पर किया जाएगा। आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के पास किसी भी मान्यता प्राप्त संस्थान या विश्वविद्यालय से संबंधित पद अनुसार बीवीएससी/बीवीएससी एवं एएच डिग्री या इसके समकक्ष विदेशी डिग्री होनी चाहिए यानी उम्मीदवार के पास भारतीय पशु चिकित्सा परिषद अधिनियम, 1984 की पहली या दूसरी अनुसूची में शामिल मान्यता प्राप्त पशु चिकित्सा योग्यता होनी चाहिए।

सीएम योगी बोले- अब धरातल पर उतर रहे कृषि के शोध, किसानों में उत्साह दिखा

आर्यावर्त संवाददाता

अंबेडकरनगर। लखनऊ में आयोजित क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अलग-अलग क्षेत्रों की अलग-अलग समस्या और समाधान हैं। पिछले साल खेती की बात खेत में कार्यक्रम चलाया गया। उसका फायदा मिला है। किसानों में उत्साह दिखा। पहली बार कृषि इनोवेशन धरातल पर उतरा था। लैब के शोध को लैंड तक पहुंचाया गया। यह बड़ा काम हुआ है। इसे आगे बढ़ाना होगा। हमारे पास सब है। बस नेतृत्व देना है। यह भारत सरकार की पहल सराहनीय है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है पहले नीतियां बनती थीं और कागज पर सब हो जाता था। अब ऐसा नहीं है। हमें शासन की योजना के बारे में किसानों को अवगत कराना है। वर्ष 2017 में 69 कृषि विज्ञान केंद्र थे। वे बंदी के कगार पर थे। जवाबदेही नहीं थी। कृषि मंत्री ने बताया कि भारत सरकार नए कृषि विज्ञान केंद्र देना चाहती है लेकिन उस वक्त नहीं लिया गया। हमने लिया। अब हर कृषि विज्ञान केंद्र काम कर रहे हैं। आठ फीसदी कृषि विकास दर 18 प्रतिशत पर पहुंची है। कृषि और उत्पादन में समन्वय हो तो विकास में गति मिलती है। कृषि में हमारा शेयर 20 फीसदी तक है। अब नया प्रयास हो रहा है।

उन्होंने कहा कि तकनीक निर्णयक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई इंटरनेशनल सेंटर उपलब्ध कराए हैं। ये बेहतरीन परिणाम दे रहे हैं। समय पर बीज मिल गया तो उत्पादन बढ़ सकता है। यूपी में कई स्थानों पर 100 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक हुआ है। उद्यान में आम की फसल प्रभावित हुई है। फिर भी लगत कम करके उत्पादन बढ़ाना हमारा लक्ष्य होना चाहिए। प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा देना होगा।

उन्होंने बाराबंकी के राम शरण वर्मा का उदाहरण दिया। बोले कि ये 10वीं फेल हैं लेकिन वैज्ञानिक खेती कर रहे हैं। इस किसानों को चिन्हित करना होगा। उनके अनुभव दूसरे किसानों को बताना होगा। कुछ किसान तीन से चार फसल लेते हैं। इसे दूसरे किसानों को बताना होगा।।

मुख्यमंत्री ने कहा है 10 से 12 घंटे बिजली दे रहे हैं। पहले किसान को कुछ बताते नहीं थे। अब जागरूकता आई है। तीसरी फसल ले रहे हैं। ये जागरुकता से संभव हुआ।। इटावा, ओरैया और कानपुर देहात के किसान तीन फसल ले रहे हैं। मक्का प्रति एकड़ एक लाख कमा रहे हैं। अब किसान को भरोसा है कि उसकी पहल बेकार नहीं जाएगी। गेहूं 425 लाख मीट्रिक टन अकेले कर रहे हैं। आलू 245 लाख मीट्रिक टन हो रहा है। ये रिकॉर्ड है यूपी के नाम। उन्होंने कहा कि यूपी ने सब्जी से लेकर फल में छलांग लगाई है। पोटैटो सेंटर मिला है जो जल्द ही शुरू होने वाला है।

रामाचार्य त्रिपाठी सर्वोदय के छात्र-छात्राओं ने यूपी बोर्ड परीक्षा में गाड़ा झंडा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) द्वारा घोषित 10वीं के परीक्षा परिणामों में रामाचार्य त्रिपाठी सर्वोदय शिक्षण संस्थान इंटरमीडिएट कॉलेज, बड़गांव के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन कर क्षेत्र और विद्यालय का नाम रोशन किया है। मेधावी छात्र-छात्राओं की इस सफलता से विद्यालय प्रशासन और अभिभावकों में खुशी की लहर है। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने बताया कि इस वर्ष परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा है। टॉप करने वाले छात्र-छात्राओं का विवरण इस प्रकार है आयुषी मौर्यः 544 अंक (90.67%) प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। शिवांशी पालः 536 अंक (89.33%) के साथ द्वितीय स्थान पर रहीं। अभिषेक प्रजापतिः 535 अंक (89.17%) पाकर तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंशिका सिंहः 535 अंक (87.33%) चौथा स्थान, आयुषी मौर्य 521 अंक (86.83%) पांचवा स्थान प्राप्त कर सफलता की सूची में जगह बनाई। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन ने हर्ष व्यक्त करते हुए सभी को मिठाई खिलाकर बधाई दी। शिक्षकों का कहना है कि यह बच्चों के कठिन परिश्रम और सही मार्गदर्शन का परिणाम है। मेधावियों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और गुरुजनों को दिया है। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों और अभिभावकों ने छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की है। विद्यालय की इस शानदार उपलब्धि से पूरे बड़गांव और अखंड नगर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है।

बिजनौर का ये टीचर 'हानिकारक' है... डर से 150 बच्चों ने स्कूल जाना छोड़ा, जांच के लिए कमेटी गठित

आर्यावर्त संवाददाता

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक सरकारी स्कूल में करीब डेढ़ सौ बच्चे एक शिक्षक के डर के कारण स्कूल आना बंद कर चुके हैं। अभिभावकों का कहना है कि स्कूल में तैनात शिक्षक का व्यवहार बेहद सख्त और डर पैदा करने वाला है। बच्चे स्कूल का नाम सुनते ही सहम जाते हैं। वहीं, सूचना मिलते ही स्कूल पहुंचकर अधिकारियों ने मामले की जांच की है।

गांव में खेल रहे बच्चों से पूछा गया कि वे स्कूल क्यों नहीं जा रहे, तो उनके चेहरों पर डर साफ झलक रहा था। बच्चों ने आरोप लगाया कि छोटी-छोटी गलतियों पर भी उन्हें बुरी तरह पीटा जाता है। कुछ बच्चों ने बताया कि स्टील के पाइप और डंडों से उनकी पिटाई की जाती है।

150 बच्चों ने स्कूल जाना छोड़ा

अभिभावकों का कहना है कि उन्होंने इस मामले की शिकायत कई बार की, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। इसके उलट बच्चों का डर और बढ़ता गया। ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से यह निर्णय लिया कि जब तक स्थिति नहीं सुधरती, वे अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेजेंगे। इस फैसले के बाद स्कूल में नामांकित लगभग 150 बच्चों में से एक भी बच्चा पढ़ने नहीं पहुंच रहा है।

ग्रामीणों का आरोप है कि संबंधित शिक्षक का व्यवहार न केवल बच्चों के साथ बल्कि अभिभावकों के प्रति भी अभद्र रहता है। मामले ने तूल पकड़ने पर संबंधित शिक्षक को स्कूल के प्रभारी पद से हटाकर दूसरे शिक्षक को जिम्मेदारी सौंप दी गई है, लेकिन बच्चों और अभिभावकों का कहना है कि जब तक वह शिक्षक पूरी तरह स्कूल से हटाया नहीं जाएगा, बच्चे स्कूल नहीं जाएंगे।

जांच कमेटी गठित

इस पूरे मामले की जानकारी मिलने पर बेसिक शिक्षा अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच की। जांच के दौरान संबंधित शिक्षक अनुपस्थित पाया गया। अधिकारी ने बताया कि ग्राम प्रधान और अभिभावकों की ओर से लगाए गए आरोपों की जांच के लिए तीन खंड शिक्षा अधिकारियों की टीम गठित की गई है। साथ ही स्कूल स्टाफ को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए हैं ताकि स्थिति में सुधार लाया जा सके।

शुभांगी हॉस्पिटल संचालक समेत 4 डाक्टरो के खिलाफ एफआईआर

सुल्तानपुर। डेढ़ माह पहले शहर के शुभांगी हॉस्पिटल में हर्निया के ऑपरेशन में लापरवाही के चलते हुई मरीज की मौत के मामले में हॉस्पिटल संचालक डॉ विद्या गौतम उनके पति डॉ राजेश गौतम समेत दो अन्य चिकित्सकों के खिलाफ नगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया है। चार डाक्टरो के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने के बाद स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप मच गया है।

उल्लेखनीय है कि बीते 2 मार्च को गोसाईगंज थाने के महिलोआशापुर निवासी राजेश मिश्र हर्निया के ऑपरेशन के लिये भर्ती हुए थे। दूसरे दिन 3 मार्च को ऑपरेशन के दौरान हालत गंभीर होने पर रिफर कर दिया गया और रिफर किये गए अस्पताल पहुंचने के पहले ही राजेश की मौत हो गई। मौत के बाद परिजन शव लेकर शुभांगी हॉस्पिटल पहुंचे पर डॉ राजेश गौतम ने मिलने से मना कर दिया। परिजनों ने पुरे घटनाक्रम की लिखित शिकायत सीएमओ डॉ भारत भूषण से की।

जो ऊपर बैठा है, वही न्याय करेगा... ' जेल जाने के डर से युवक ने किया सुसाइड, घरवालों ने लगाए गंभीर आरोप

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां जेल जाने के डर और लगातार मिल रही धमकियों से परेशान एक 25 साल के युवक ने सुसाइड कर लिया। मृतक की पहचान राजाराम कुमार के रूप में हुई है। घटना दुल्लहपुर थाना क्षेत्र के शिवपुर गांव की है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

स्थानीय लोगों ने राजाराम का शव उसके घर की छत से सटे एक नीम के पेड़ पर नायलॉन की रस्सी के सहारे लटका हुआ देखा। परिजनों की नजर जैसे ही शव पर पड़ी, घर में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही दुल्लहपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

राजाराम को लगातार धमकी मिल रही थी

परिजनों के अनुसार, 13 अप्रैल को गांव के ही एक शख्स के साथ शराब पीने के दौरान राजाराम की कहासुनी हो गई थी, जो बाद में मारपीट में बदल गई। इस झगड़े में दूसरे पक्ष के एक युवक का पैर टूट गया था, जिसका इलाज मऊ स्थित फातिमा अस्पताल में चल रहा है। घटना के बाद से ही गांव के कुछ लोग राजाराम को लगातार धमका रहे थे। उसे बार-बार कहा जा रहा था कि उसने गंभीर अपराध किया है और अब उसे जेल जाना पड़ेगा, यहां तक कि फांसी की सजा भी हो सकती है। इन धमकियों और मानसिक दबाव के चलते राजाराम गहरे तनाव में चला गया था। बताया जा रहा है कि वह पिछले कुछ दिनों से बेहद सहमा हुआ था और किसी अनहोनी के डर में जी रहा था। इसी मानसिक स्थिति में उसने यह खौफनाक कदम उठा लिया।

'जो ऊपर बैठा है वही न्याय करेगा'

घटनास्थल से पुलिस को एक कथित सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें राजाराम ने अपनी बेबसी जाहिर की है। नोट में लिखा है, जो ऊपर बैठा है वही न्याय करेगा अल्लाह भगवान। पुलिस ने सुसाइड नोट और रस्सी को कब्जे में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। गौर करने वाली बात यह है कि 13 अप्रैल की मारपीट की घटना को लेकर पहले कोई आधिकारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई थी। विपक्षी पक्ष की ओर से 22 अप्रैल को पहली बार लिखित शिकायत दी गई थी। राजाराम तीन भाइयों और तीन बहनों में पांचवें नंबर पर था। परिवार के बाकी सभी भाई-बहनों की शादी हो चुकी है, जबकि वह अविवाहित था। घटना के समय उसके माता-पिता घर के अंदर सो रहे थे और वह छत पर अकेला था। थानाध्यक्ष ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और सबूतों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि युवक को आत्महत्या के लिए उकसाने में किन-किन लोगों की भूमिका रही है।

उज्ज्वला योजना में दूसरे व्यक्तियों को दे दिया सिलेंडर, आधार कार्ड से हुआ खुलासा

सुल्तानपुर। जी हाँ! घरेलू गैस की किल्लत से जूझ रही महिलाओं ने जब कनेक्शन के लिये जब विभिन्न एजेंसियों पर आधार कार्ड समेत फॉर्म जमा किये तो आधार नम्बर कम्प्यूटर पर डालते ही खुलासा हुआ कि उक्त महिलाओं के नाम पर दो से तीन वर्ष पूर्व ही उज्ज्वला योजना का कनेक्शन निर्गत किया जा चुका है । जब यह जानकारी पीड़ित महिलाओं को हुई तो उनको घोर आश्चर्य हुआ । पीड़ित महिलाओं ने इस संबंध में कई बार उच्चाधिकारियों से संपर्क किया लेकिन जिला पूर्ति अधिकारी की उदासीनता के चलते आज भी महिलाओं को न्याय नहीं मिल पा रहा है। इसी क्रम में कूरेभार ब्लॉक स्थित वयोवृद्धा लखपति देवी का नाम पहले आता है। उनका उज्ज्वला गैस का कनेक्शन इंडियन गैस सर्विस पर है। लेकिन दबंग एजेंसी संचालक से कई बार कहने और दरख़्वास्त देने के बावजूद एजेंसी संचालक ने उन्हें न पासबुक दिया न सिलेंडर।

रामलला दर्शन व्यवस्था में बड़ा बदलाव... अब पोर्टल से नहीं होगी विशिष्ट बुकिंग

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर में रामलला के दर्शन को लेकर व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया गया है, जिससे अब श्रद्धालु आसानी से दर्शन कर सकेंगे। नई व्यवस्था से भीड़ को भी नियंत्रित किया जाएगा। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने अपनी वेबसाइट पर ऑनलाइन बुकिंग प्रक्रिया में बदलाव करते हुए विशिष्ट दर्शन का विकल्प हटा दिया है।

अब दर्शन के लिए ऑनलाइन बुकिंग करने वाले श्रद्धालु को वेबसाइट पर केवल दो ही विकल्प सुगम दर्शन और सामान्य दर्शन के ही दिखेंगे। दर्शन के लिए श्रद्धालु इन दोनों विकल्पों के तहत रजिस्ट्रेशन कर सकेंगे। ट्रस्ट के अनुसार अब वेबसाइट से बुकिंग करने वाले सभी श्रद्धालुओं को लगभग एक समान श्रेणी में दर्शन का अवसर मिलेगा। इससे वीआईपी कल्चर को भी कम करने में मदद मिलेगी।

नई व्यवस्था के तहत सुगम दर्शन पास के जरिए श्रद्धालु रामलला और राम परिवार के दर्शन कर सकेंगे, जबकि सामान्य दर्शन पास पर मंदिर परिसर के अन्य महत्वपूर्ण स्थलों जैसे सप्तमंडपम और कुबेर टीला के भी दर्शन का अवसर मिलेगा। बढ़ती श्रद्धालुओं की संख्या का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 30 अप्रैल तक के सभी ऑनलाइन स्लॉट पहले ही बुक हो चुके हैं।

घटाई गई पास पर श्रद्धालुओं की संख्या

ट्रस्ट ने एक और महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए एक पास पर दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या को सीमित कर दिया है। पहले सुगम पास पर 8 लोग दर्शन कर सकते थे, अब इसे घटाकर 5 कर दिया गया है। माना जा रहा है कि यह कदम भीड़ प्रबंधन को बेहतर बनाने और व्यवस्था को सुचारू रखने के उद्देश्य से उठाया गया है।

तैयार किए गए दो AC वेटिंग रूम

इसके साथ ही श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मंदिर परिसर के आसपास बुनियादी सुविधाओं का भी विस्तार किया जा रहा है। श्रीराम जन्मभूमि पथ पर दो नए एसी वेटिंग रूम तैयार किए गए हैं, जहां एक साथ लगभग 3000 लोग बैठ सकेंगे। इन वेटिंग रूम में बड़ी एलईडी स्क्रीन भी लगाई जाएगी, जिसके माध्यम से रामलला के लाइव दर्शन और भजन प्रसारण की सुविधा भी उपलब्ध होगी।

गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल 'जश्ने वारिस पाक' का भव्य आयोजन आज

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। खुर्शीद क्लब मैदान में हिन्दू-मुस्लिम एकता और आपसी भाईचारे के प्रतीक 'जश्ने वारिस पाक' के 32वें दौर का आयोजन कल शनिवार को होने जा रहा है। यह रूहानी जलसा शांति और एकता के संदेश को समर्पित है।

शनिवार रात 8:30 बजे कार्यक्रम शहर स्थित खुर्शीद क्लब मैदान में शुरू होगा। हजरत मोबीन अहमद वारसी (लड्डन बाबा), अध्यक्ष- वारसिया कल्याण सेवा समिति ने बताया कि 8:30 बजे भव्य आतिशबाजी, रात 9:00 बजे कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन होगा। सुबह 4:13 बजे हाजी वारिस अली शाह का 'कुल शरीफ' सुबह 7:00 बजे मेहमानों की रुखसती होगी। इस कार्यक्रम में विश्व प्रसिद्ध कव्वाल अपनी प्रस्तुति देंगे। इसमें शमीम अनवर इंटरनेशनल आर्टिस्ट कव्वाल और वारिस साबरी मेरठ से इंटरनेशनल कव्वाल आएंगे। आयोजकों के अनुसार इस महफिल का मुख्य उद्देश्य जाति-पाति के भेदभाव को खत्म कर समाज में शांति स्थापित करना है।

दिल्ली, यूपी और बिहार में भीषण गर्मी... हीटवेव का अलर्ट, हिमाचल-उत्तराखंड में होगी बारिश

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। दिल्ली-एनसीआर, यूपी, हरियाणा, मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड में हीटवेव चलने का आईएमडी ने येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार राजस्थान और पंजाब सहित उत्तर भारत में 24 से 29 अप्रैल तक लू चलेगी और दिन में तेज धूप के कारण तपिश और गर्मी बढ़ेगी। दिल्ली में आज बारिश की संभावना नहीं है।

आईएमडी ने आज और कल हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार आज दिल्ली का अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 25 डिग्री सेल्सियस तक रहने का अनुमान है।

यूपी में 26 तक हीटवेव का अलर्ट

मौसम विभाग ने यूपी में 24 से 26 अप्रैल तक लू चलने की चेतावनी जारी की है। 26 के बाद मौसम यू-टर्न लेगा और सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के कारण हल्की बूंदाबांदी की संभावना जताई गई है। नोएडा और गाजियाबाद में 27-28 अप्रैल को मौसम में बदलाव होने की संभावना जताई गई है। बिहार में भी भीषण गर्मी से लोग बेहाल हैं। राज्य के 6 जिलों में हीटवेव का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं 25-26 अप्रैल को पटना सहित कई जिलों में हल्की बारिश के आसार हैं, जिस कारण लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिलेगी।

एमपी-राजस्थान में क्या है मौसम का हाल?

एमपी और राजस्थान में गर्मी और तेज धूप के कारण लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। राजस्थान में आज मौसम शुष्क रहने और तापमान में बढ़ोतरी के आसार हैं और लू चलने की चेतावनी जारी की गई है। एमपी में भी हीटवेव को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। वहीं 26 अप्रैल को बाद मौसम में बदलाव की संभावना है और 27 अप्रैल को राज्य के कई जिलों में बूंदाबांदी की संभावना जताई गई हैं।

पहाड़ों में कैसा रहेगा मौसम?

जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 24 से 29 अप्रैल के बीच हल्की से मध्यम बारिश, बर्फबारी और तेज हवाएं चलने की संभावना मौसम विभाग ने जताई है। वहीं असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 25 से 29 अप्रैल के बीच भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

रिक्रूट आरक्षियों की दीक्षांत परेड का भव्य पूर्वाभ्यास

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। पुलिस लाइन सुलतानपुर के परेड ग्राउंड में शुक्रवार को आगामी दीक्षांत परेड (पासिंग आउट परेड) के मद्देनजर भव्य पूर्वाभ्यास आयोजित किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक चारू निगम के नेतृत्व में रिक्रूट आरक्षियों ने अनुशासन और उत्साह के साथ अपनी तैयारियों का प्रदर्शन किया।

पूर्वाभ्यास के दौरान 10 टोलियों में शामिल कुल 297 रिक्रूट आरक्षियों ने शानदार मार्च पास्ट कर अपनी प्रशिक्षण क्षमता का परिचय दिया। पुलिस अधीक्षक ने परेड की सलामी लेकर निरीक्षण किया और इसके बाद रिक्रूट्स को संबोधित करते हुए उनका मनोबल बढ़ाया। मार्च पास्ट के दौरान बैंड की धुन पर कदमताल करते हुए रिक्रूट्स ने

बेहतरीन तालमेल का प्रदर्शन किया और राष्ट्र ध्वज को सलामी दी। कार्यक्रम में प्रथम, द्वितीय और तृतीय कमाण्ड के नेतृत्व में सभी टोलियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा रिक्रूट आरक्षियों को कर्तव्यनिष्ठा की शपथ भी दिलाई गई। समारोह को सफल और व्यवस्थित बनाने के लिए पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को परेड ग्राउंड, अतिथियों की बैठने की व्यवस्था और सुरक्षा मानकों को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। पूर्वाभ्यास के दौरान आंतरिक एवं बाह्य परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले रिक्रूट आरक्षियों को पुरस्कृत भी किया गया। इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक अखण्डप्रताप सिंह, क्षेत्राधिकारी जयसिंहपुर/लाइन रामकृष्ण चतुर्वेदी सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

अपनों ने छोड़ा, सरकार ने जोड़ा

योगी सरकार का 'बुजुर्गों को सम्मान' मिशन, वृद्धाश्रमों में 6000 से ज्यादा को मिला नया जीवन

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश के बुजुर्गों को न केवल आर्थिक संबल दे रही है, बल्कि उन्हें एक गरिमामयी जीवन का अहसास भी करा रही है। समाज कल्याण विभाग के माध्यम से प्रदेश के सभी 75 जनपदों में संचालित वृद्धाश्रम उन बेघर और निराश्रित वरिष्ठ नागरिकों के लिए 'आशा की किरण' बन गए हैं, जिन्हें अपनों ने दरकिनार कर दिया था। वर्तमान में इन सरकारी आश्रय स्थलों में 6,055 बुजुर्गों को भोजन, चिकित्सा और सुरक्षा जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं निःशुल्क प्रदान की जा रही हैं।

वृद्धाश्रमों में रहने वाले बुजुर्गों के लिए सरकार ने विशेष डाइट चार्ट तैयार किया है, जिसमें सुबह के नाश्ते से लेकर रात्रि भोज तक हर दिन अलग-अलग और पौष्टिक व्यंजनों की व्यवस्था है। नाश्ते में दलिया, पोहा और पूड़ी तो भोजन में राजमा, कढ़ी और मौसमी सब्जियों के साथ सलाद और खीर दी जाती है। सरकार का ध्यान सिर्फ पेट भरने पर नहीं, बल्कि उनके स्वास्थ्य पर भी है। नियमित हेल्थ चेकअप, मुफ्त दवाएं और आयुष्मान कार्ड के जरिए 5 लाख रुपये तक के इलाज की सुविधा ने इन बुजुर्गों की जीवन प्रत्याशा और उत्साह को बढ़ाया है। सरकारी प्रयासों से उन बुजुर्गों को नया जीवन मिला है जो पहले रेलवे स्टेशनों या सार्वजनिक स्थानों पर असुरक्षित जीवन जीने को मजबूर थे। आश्रमों में अब मनोरंजन के लिए टीवी, योग की कक्षाएं और भजन-कीर्तन जैसे सामूहिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जिससे वे मानसिक रूप से प्रसन्न और सक्रिय रहते हैं। बरेली (134), लखनऊ (128) और मुरादाबाद (127) जैसे जिलों में इन आश्रमों में रहने वाले बुजुर्गों की संख्या सर्वाधिक है, जो सरकार की व्यवस्था के प्रति उनके विश्वास को दर्शाती है।

पेंशन और सशक्तिकरण का 'डबल डोज'

व्यवस्था को पारदर्शी और बेहतर बनाने के लिए समाज कल्याण विभाग द्वारा समय-समय पर निरीक्षण और समीक्षा की जाती है। आश्रम की सुविधाओं के अतिरिक्त, प्रदेश सरकार बुजुर्गों को सीधे तौर पर सशक्त बनाने के लिए प्रतिमाह 1,000 रुपये की वृद्धावस्था पेंशन भी प्रदान कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि जहां भी अतिरिक्त संसाधनों की आवश्यकता है, वहां सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है ताकि अंतिम पायदान पर खड़े बुजुर्ग को भी सम्मानजनक जीवन मिल सके।

उत्तर क्षेत्र कृषि सम्मेलन खेती के नए दृष्टिकोण और किसान–केंद्रित सोच का मजबूत मंच बना

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित उत्तर क्षेत्र कृषि सम्मेलन खेती-किसानी के नए दृष्टिकोण, नई कार्ययोजना और किसान-केंद्रित सोच का मजबूत मंच बनकर उभरा है। उद्घाटन सत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कृषि विकास का अगला दौर तभी सफल होगा, जब वैज्ञानिक शोध खेत तक पहुंचेगा, योजनाएं छोटे किसान तक प्रभावी रूप से लागू होंगी और हर राज्य अपनी भौगोलिक व जलवायु परिस्थितियों के अनुसार स्पष्ट कार्ययोजना तैयार करेगा।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत सरकार ने पहली बार क्षेत्रीय स्तर पर कृषि सम्मेलन आयोजित कर एक व्यावहारिक और परिणाममुखी पहल की है। उन्होंने कहा कि देश के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग कृषि-जलवायु क्षेत्र हैं, इसलिए कृषि से जुड़ी चुनौतियां, संभावनाएं और प्राथमिकताएं भी अलग हैं। ऐसे में क्षेत्रवार चर्चा और योजना बनाना अधिक उपयोगी साबित होगा।मुख्यमंत्री ने विकसित कृषि संकल्प अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि इस पहल ने कृषि अनुसंधान को सीधे खेत तक पहुंचाने का काम किया है। पहले वैज्ञानिक शोध प्रयोगशालाओं तक सीमित रह जाता था, लेकिन अब वैज्ञानिक, कृषि शिक्षा से जुड़े लोग और किसान एक साथ संवाद कर रहे हैं, जिससे तकनीक का व्यवहारिक उपयोग बढ़ा है और किसानों में नई ऊर्जा दिखाई दी है।उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में कृषि विज्ञान केंद्रों को सक्रिय बनाने और किसानों से उनका सीधा जुड़ाव बढ़ाने का सकारात्मक असर दिख रहा है। जब वैज्ञानिक स्थानीय स्तर पर खेतों में प्रदर्शन करते हैं, किसानों के साथ बैठकर नई पद्धतियों पर चर्चा करते हैं और लगातार अनुवर्ती कार्य करते हैं, तभी वास्तविक परिवर्तन संभव होता है।

बलिया जनपद में पर्यटन विकास की 8 परियोजनाएं स्वीकृत, 908 लाख रुपये की धनराशि मंजूर

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पर्यटन विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य योजना के अंतर्गत आजमगढ़ मंडल में आने वाले बलिया जनपद के लिए 908 लाख रुपये की पर्यटन विकास की 8 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। इन परियोजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम को कार्यदायी संस्था नामित करते हुए निर्देश दिए गए हैं कि सभी कार्य गुणवत्ता तथा समयबद्धता के साथ पूरे किए जाएं।यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि आजमगढ़ मंडल के अंतर्गत आने वाले बलिया जनपद के रसड़ा विधान सभा क्षेत्र में स्थित लखनेश्वर जी मंदिर के पर्यटन विकास के लिए 50 लाख रुपये, बांसडीह विधान सभा क्षेत्र में काली मंदिर के लिए 60 लाख रुपये, सिकंदरपुर स्थित शिव मंदिर के पर्यटन विकास के लिए 50 लाख रुपये तथा बेल्थरा विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत राम जानकी मंदिर के पर्यटन विकास के लिए 64 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है।पर्यटन मंत्री ने बताया कि बलिया नगर में स्थित महर्षि भृगु आश्रम के पर्यटन विकास हेतु 437 लाख रुपये, फेफना विधान सभा क्षेत्र में स्थित बाबा मुक्तिनाथ धाम के पर्यटन विकास के लिए 101 लाख रुपये, बैरिया विधान सभा क्षेत्र में स्थित खपड़िया बाबा आश्रम श्रीपालपुर के पर्यटन विकास के लिए 51 लाख रुपये तथा बेल्थरा क्षेत्र के नगरा ग्राम सभा जमुवांव में स्थित पुरातन शिव मंदिर में आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए 55 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है।

एक किलोवाट तक के घरेलू उपभोक्ताओं को बड़ी राहत, 30 दिन तक नहीं कटेगा बिजली कनेक्शन

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा ने प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं, विशेषकर कम भार वाले घरेलू उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मंत्री ने निर्देश दिए हैं कि एक किलोवाट तक के विद्युत संयोजन वाले उपभोक्ताओं का यदि शेष धनराशि ऋणात्मक भी हो जाए, तब भी 30 दिनों तक उनका संयोजन नहीं काटा जाएगा। यह व्यवस्था उपभोक्ताओं को राहत देने के उद्देश्य से लागू की गई है।उन्होंने स्पष्ट किया कि ऋणात्मक शेष की स्थिति में भी एक माह का पूरा चक्र पूर्ण होने से पहले किसी भी स्थिति में संयोजन विच्छेद नहीं किया जाएगा। साथ ही पारदर्शिता और उपभोक्ता सुविधा को ध्यान में रखते हुए संयोजन काटने से पूर्व उपभोक्ताओं

को 5 अनिवार्य संदेश भेजे जाएंगे, जिससे उन्हें समय रहते भुगतान का अवसर मिल सके।इसी क्रम में दो किलोवाट के संयोजन वाले उपभोक्ताओं को भी राहत प्रदान की गई है। ऐसे उपभोक्ताओं का विद्युत संयोजन 200 रुपये तक की ऋणात्मक शेष राशि पर नहीं काटा जाएगा। इनके लिए भी 5 चरणों में संदेश सूचना व्यवस्था लागू की गई है, जिससे किसी भी असुविधा से बचा जा सके।बढ़ती गर्मी को देखते हुए मंत्री ए के शर्मा ने सभी जिलों के अधिकारियों को विद्युत अनुरक्षण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में विद्युत आपूर्ति को सुदृढ़ करने के लिए बड़े पैमाने पर कार्य किए गए हैं। अब तक लगभग 30 लाख नए विद्युत खंभे स्थापित किए जा चुके हैं तथा परिवर्तित्रों की क्षमता में भी व्यापक वृद्धि की गई है।मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश देश में सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति करने वाला राज्य बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि इस भीषण गर्मी में प्रदेश की जनता को बिजली की दृष्टि से किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। सरकार पूरी तरह सजग है और निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

संक्षेप

पंचायती राज दिवस पर कांग्रेस कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित, मई से संकल्प शिविरों की श्रृंखला चलाने का निर्णय

लखनऊ। आज प्रदेश कांग्रेस कार्यालय, लखनऊ में पंचायती राज दिवस के अवसर पर राजीव गांधी पंचायती राज प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के प्रभारी एवं राष्ट्रीय प्रशिक्षक विजेन्द्र नरवाल ने सहभागिता की।कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय प्रशिक्षक विजेन्द्र नरवाल ने प्रदेश के अवध क्षेत्र में राजीव गांधी पंचायती राज संगठन को और अधिक सक्रिय बनाने के उद्देश्य से अभिमुखीकरण सत्र आयोजित किया। इस दौरान जमीनी स्तर के नेताओं को दल की विचारधारा से जोड़ने तथा उनकी नेतृत्व क्षमता बढ़ाने के लिए सर्वोदय संकल्प शिविरों के आयोजन पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में यह निर्णय लिया गया कि अवध क्षेत्र में प्रदेश स्तरीय संकल्प शिविर का आयोजन मई माह के दूसरे पखवाड़े में किया जाएगा। इसके उपरांत जून माह से प्रत्येक जनपद में एक दिवसीय संकल्प शिविरों की श्रृंखला प्रारम्भ की जाएगी, जिससे संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाया जा सके।कार्यक्रम में अवध क्षेत्र के समन्वयक के रूप में शिशिर श्रीवास्तव ने भूमिका निभाई। इसके अतिरिक्त बहराइच से इंदू, सीतापुर से विजेन्द्र यादव, बलरामपुर से अफसाना, उन्नाव से बोधराज सिंह, लखनऊ से दिनेश चन्द्र, अमेठी से अजय यादव तथा कानपुर से विकास दीक्षित सहित विभिन्न जनपदों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।इस अवसर पर सम्भूलाल, श्री निवास तिवारी, ब्रिजेश द्विवेदी, मो. आसिफ, पूनम वर्मा, मलेश यादव सहित अन्य पदाधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के चार शोधार्थियों का चिकित्सा विश्वविद्यालय में स्वागतकर्मी पद पर चयन

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के चार शोधार्थियों का किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ में गैर-शैक्षणिक पदों के अंतर्गत स्वागतकर्मी पद पर चयन हुआ है। चयनित शोधार्थियों में डॉ. कुलदीप कुमार, अभिषेक कुमार, उज्ज्वल कुमार एवं विद्यासागर शामिल हैं।इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने सभी चयनित शोधार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए इसे विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय बताया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता संस्थान में दी जा रही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और मार्गदर्शन का परिणाम है।डॉ. कुलदीप कुमार ने अपना शोध कार्य विभाग की डॉ. रचना गंगवार के मार्गदर्शन में पूर्ण किया है, जबकि अभिषेक कुमार वर्तमान में डॉ. गंगवार के निर्देशन में शोध कार्य कर रहे हैं।

राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की पुण्यतिथि पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अर्पित की श्रद्धांजलि

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि दिनकर केवल एक महान कवि ही नहीं, बल्कि राष्ट्रचेतना के प्रखर स्वर और भारतीय संस्कृति के सशक्त प्रतिनिधि थे।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि ज्ञानपीठ पुरस्कार और पद्म भूषण से सम्मानित दिनकर की ओजस्वी वाणी ने स्वतंत्रता संग्राम के दौर में देशवासियों के भीतर आत्मगौरव, साहस और देशभक्ति की भावना जागृत की। उनकी कविताओं में वीर रस, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक चेतना का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है, जो आज भी युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बना हुआ है। उन्होंने दिनकर की प्रसिद्ध पंक्तियों— 'जला अस्थियां बारी-बारी, चिटकाई जिनमें चिनगारी, जो चढ़ गये पुण्य-वेदी पर, लिए बिना गर्दन का मोल, कलम, आज उनकी जय बोल।' का उल्लेख करते हुए कहा कि यह कविता अमर शहीदों के त्याग और बलिदान का सजीव चित्रण करती है ।

एनडीपीएस प्रकरण में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, गैर जमानती वारंट पर मलिहाबाद पुलिस की कार्रवाई

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। थाना मलिहाबाद पुलिस ने मादक पदार्थ अधिनियम से संबंधित एक पुराने प्रकरण में लंबे समय से फरार चल रहे अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय के आदेश का पालन कराया है। अभियुक्त के विरुद्ध माननीय न्यायालय द्वारा गैर जमानती वारंट जारी किया गया था, जिसके अनुपालन में पुलिस ने यह कार्रवाई की।पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार माननीय न्यायालय द्वारा निर्गत गैर जमानती वारंट वाद संख्या 1335/24, अपराध संख्या 583/21, धारा 8/21 मादक पदार्थ अधिनियम, थाना मलिहाबाद, जनपद लखनऊ से संबंधित अभियुक्त नफीस पुत्र स्वर्गीय वाहिद अली, निवासी ग्राम ढेढेमऊ, थाना मलिहाबाद, जनपद लखनऊ, उम्र लगभग 40 वर्ष, जो मेहनत मजदूरी का कार्य करता है, काफी समय से फरार चल रहा था।थाना मलिहाबाद

पुलिस द्वारा अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। इसी क्रम में दिनांक 24 अप्रैल 2026 को मुखबिर की सूचना के आधार पर चौकी गोशालालपुर क्षेत्र के ग्राम ढेढेमऊ से अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया।पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध थाना मलिहाबाद पर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है तथा उसे नियमानुसार माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। इस गिरफ्तारी अभियान में उपनिरीक्षक प्रमोद कुमार तथा उपनिरीक्षक अनिल कुमार गौतम, थाना मलिहाबाद, लखनऊ की प्रमुख भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि न्यायालय से निर्गत वारंटों के अनुपालन के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जा रही है।

लखनऊ पुलिस की नई पहल: नशा व मानव तस्करी रोकने को 24 घंटे संचालित विशेष सहायता नंबर जारी

लखनऊ। पुलिस आयुक्तालय लखनऊ द्वारा संगठित अपराधों तथा नशीले पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से एक नई पहल शुरू की गई है। उत्तर प्रदेश सरकार की संगठित अपराध और अपराधियों के विरुद्ध शून्य सहनशीलता नीति के तहत पुलिस आयुक्त लखनऊ के निर्देशन तथा संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) के मार्गदर्शन में अपराध शाखा, लखनऊ पुलिस द्वारा दिनांक 24 अप्रैल 2026 को संगठित अपराध सहायता नंबर 7839861034 का शुभारंभ किया गया है।इस सहायता नंबर के माध्यम से आम नागरिक अपने क्षेत्र में हो रही आपराधिक गतिविधियों, विशेष रूप से नशा तस्करी, मानव तस्करी तथा अन्य संगठित अपराधों से संबंधित सूचनाएं पूर्णतः गोपनीय रूप से साझा कर सकेंगे।

बहराइच जनपद में पर्यटन विकास की 9 परियोजनाएं स्वीकृत

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के पर्यटन विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य योजना के अंतर्गत बहराइच जनपद में पर्यटन विकास की 9 परियोजनाओं के लिए 396.80 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। इन परियोजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम को कार्यदायी संस्था नामित करते हुए निर्देश दिए गए हैं कि सभी कार्य गुणवत्ता तथा समयबद्धता के साथ पूर्ण किए जाएं।यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि जनपद बहराइच की विभिन्न विधान सभा क्षेत्रों में पर्यटन विकास से संबंधित कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। इसके अंतर्गत पयागपुर में प्राचीन हनुमान मंदिर तथा हुजूरपुर क्षेत्र के पर्यटन विकास के लिए 39.80 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार नानपारा विधान सभा क्षेत्र में रामपुर धोबियाहार स्थित प्रसिद्ध बुढ़ेश्वर नाथ मंदिर के पर्यटन विकास के लिए 40 लाख रुपये तथा सदर विधान सभा क्षेत्र के बेरिया मंदिर के विकास के लिए 57 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं।पर्यटन मंत्री ने बताया कि महसी विधान सभा क्षेत्र के मरी माता मंदिर के विकास के लिए 40 लाख रुपये, मटेरा विधान सभा क्षेत्र के मंगलीनाथ शिव मंदिर के विकास के लिए 35 लाख रुपये तथा कैसरगंज क्षेत्र के हर्दौली माता मंदिर के लिए 45 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। इसके अतिरिक्त बेलहा विकास खंड मिहीपुरवा के ग्राम कारीकोट में ग्रामीण पर्यटन विकास के लिए 25 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं।उन्होंने बताया कि पयागपुर स्थित प्राचीन शिव मंदिर में आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए 57 लाख रुपये तथा बलहा विधान सभा क्षेत्र के सेमरी मलमता स्थित बाबा मंदिर में आधारभूत सुविधाओं के निर्माण के लिए 58 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है।

इकाना स्टेडियम में 26 अप्रैल को आईपीएल मैच के मद्देनज़र यातायात डायवर्जन व्यवस्था लागू

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। इकाना में होने वाले आईपीएल मैच के दृष्टिगत दोपहर 3:00 बजे से मैच समाप्ति तक विशेष यातायात व्यवस्था लागू रहेगी। इस दौरान रोडवेज बसों, नगर बसों, ऑटो, ई-रिक्शा तथा निजी वाहनों के लिए अलग-अलग मार्ग निर्धारित किए गए हैं।मैच के दौरान शहीद पथ पर रोडवेज बसों, निजी बसों तथा अन्य व्यवसायिक वाहनों का संचालन प्रतिबंधित रहेगा। ऐसे वाहन सुल्तानपुर रोड से अमूल तिराहा तथा अर्जुनगंज की ओर से आने पर कटाई पुल से मोड़े जाएंगे। निजी वाहन तथा किराये की कारों पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं रहेगा, लेकिन उन्हें निर्धारित नियमों का पालन करना होगा।नगर बसें मैच के दौरान संचालित रहेंगी, लेकिन हुसड़िया से सुशांत गोल्फ सिटी के बीच नहीं रुकेंगी और सड़क की दाईं

ओर चलेंगी। ई-रिक्शा और ऑटो का शहीद पथ पर संचालन पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा। अर्जुनगंज की ओर से आने वाले ऑटो एवं ई-रिक्शा अहिमामऊ से बाईं ओर मुड़कर पुलिस मुख्यालय, यूपी-112 तथा मातृत्व अस्पताल के पीछे वाली सड़क पर यात्रियों को उतारेंगे। सुल्तानपुर रोड की ओर से आने वाले ऑटो एवं ई-रिक्शा लूलू मॉल की ओर जाकर यात्रियों को उतारेंगे।किराये के वाहन भी नगर बसों की तरह हुसड़िया से सुशांत गोल्फ सिटी के बीच यात्रियों को बैठाने या उतारने की अनुमति नहीं होगी। हवाई अड्डे की ओर से आने वाले वाहन अहिमामऊ से पहले यात्रियों को उतारेंगे, जबकि अर्जुनगंज की ओर से आने वाले वाहन पुलिस मुख्यालय के पीछे निर्धारित स्थान पर यात्रियों को उतारेंगे।निजी चार पहिया वाहनों के लिए, जिनके पास पार्किंग पास होगा, उन्हें अहिमामऊ से एचसीएल की ओर होते हुए वाटर टैंक तिराहा तथा प्लासियो मॉल के माध्यम से चिन्हित पार्किंग स्थल तक भेजा जाएगा। जिन वाहन स्वामियों के पास पास उपलब्ध नहीं होगा, उन्हें भी इसी मार्ग से भेजा जाएगा और पहले आने वाले वाहनों को प्लासियो मॉल की पार्किंग में स्थान दिया जाएगा।दो पहिया वाहन चालकों को अहिमामऊ से एचसीएल तिराहा होते हुए प्लासियो मॉल के पीछे वाहन खड़े करने के निर्देश दिए गए हैं। स्टेडियम या मॉल के सामने अवैध रूप से वाहन खड़ा करने पर टो करने तथा क्लैम्प लगाने की कार्रवाई की जाएगी।यातायात पुलिस ने बताया कि मैच प्रारम्भ होने से तीन घंटे पूर्व दर्शकों का प्रवेश शुरू किया जाएगा तथा दूसरी पारी के मध्य तक ही प्रवेश की अनुमति रहेगी। स्टेडियम से बाहर निकलने के बाद पुनः प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। बिना टिकट या ड्यूटी कार्ड के प्रवेश करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।सुरक्षा व्यवस्था के तहत सिक्के, ईयरफोन, ज्वलनशील पदार्थ सहित अन्य प्रतिबंधित वस्तुएं स्टेडियम में ले जाने की अनुमति नहीं होगी। स्टेडियम के आसपास रहने वाले लोगों से अपील की गई है कि अनावश्यक रूप से स्टेडियम क्षेत्र की ओर न जाएं और दर्शक शाम 6:00 बजे से 8:00 बजे के व्यस्त समय से बचते हुए निर्धारित समय से पहले या बाद में पहुंचने का प्रयास करें।

टावर से 10 मीटर विद्युत केबिल चोरी का खुलासा, इटौंजा पुलिस ने 24 घंटे में अभियुक्त को दबोचा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। थाना इटौंजा क्षेत्र में टावर से विद्युत केबिल चोरी की घटना का पुलिस ने त्वरित खुलासा करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की गई केबिल बरामद की है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हो रही चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने में सफलता मिली है।पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 23 अप्रैल 2026 को वादी रतीश देव शुक्ला पुत्र परमात्मा शुक्ला, निवासी सेक्टर-6 गोमती नगर, लखनऊ ने थाना इटौंजा पर लिखित सूचना दी थी कि ग्राम राजागढ़ा स्थित साधना भट्ठे के पास लगे टावर से 10 मीटर विद्युत केबिल चोरी कर ली गई है। इस संबंध में विपक्षी के रूप में विनीत पुत्र तुलसी, निवासी ग्राम राजागढ़ा, थाना इटौंजा, लखनऊ का नाम प्रकाश में आया। वादी की तहरीर के आधार पर थाना इटौंजा पर संबंधित

धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर मामले की जांच प्रारंभ की गई।घटना को गंभीरता से लेते हुए थाना इटौंजा पुलिस टीम ने तत्काल सक्रियता दिखाते हुए अभियुक्त की तलाश शुरू की। इसी क्रम में दिनांक 24 अप्रैल 2026 को मुखबिर से प्राप्त सटीक सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने राजागढ़ा रोड स्थित कुर्मियानी महादेव मंदिर के पास घेराबंदी कर अभियुक्त विनीत पुत्र तुलसी, निवासी ग्राम राजागढ़ा मजरा सूरजपुर, थाना इटौंजा, लखनऊ, उम्र लगभग 20 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से चोरी की गई 10 मीटर लंबी काले रंग की 75 मिलीमीटर मोटाई की विद्युत केबिल बरामद की। बरामदगी के आधार पर अभियोग में संबंधित धारा की बढ़ोत्तरी करते हुए अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में चोरी की घटनाओं को रोकने के लिए लगातार निगरानी और गश्त बढ़ाई जा रही है। साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों पर विशेष नजर रखी जा रही है, जिससे इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सके। इस त्वरित कार्रवाई से स्थानीय लोगों में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है।

पश्चिम बंगाल में सत्ता विरोधी लहर का फायदा क्या उठा पाएगी भाजपा?

पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। सवाल सीधा है कि क्या सत्ताविरोधी माहौल को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने पक्ष में मोड़ पाएगी? या फिर ममता बनर्जी का जादू एक बार फिर कायम रहेगा? वैसे राज्य में चुनावी हवा भले ही बदलाव की सुगबुगाहट दिखा रही हो, लेकिन जमीन पर हालात इतने सरल नहीं हैं। देखा जाये तो इस बार के चुनावों में भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लगातार रैलियां, केंद्रीय नेतृत्व की सक्रियता और संगठन की आक्रामक रणनीति यह संकेत देती है कि पार्टी किसी भी कीमत पर बंगाल में सत्ता का स्वाद चखना चाहती है। दूसरी ओर, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) भी अपनी पकड़ ढीली पड़ने देने के मूड में नहीं है। ममता बनर्जी, जो लंबे समय से राज्य की राजनीति का केंद्र रही हैं, अब भी अपने जनाधार और कल्याणकारी योजनाओं के भरोसे मैदान में डटी हुई हैं। उधर, भाजपा के लिए उम्मीद की सबसे बड़ी वजह है 'एंटी-इंकम्बेंसी' यानी सत्ता के खिलाफ बढ़ती नाराज़गी। टीएमसी सरकार पर भ्रष्टाचार, प्रशासनिक अक्षमता और कानून-व्यवस्था के सवालों को लेकर विपक्ष लगातार हमलावर रहा है। भर्ती घोटाले, स्थानीय स्तर पर पार्टी कार्यकर्ताओं की दबंगई और राजनीतिक हिंसा जैसे मुद्दे भाजपा के चुनावी एजेंडे के केंद्र में हैं। पार्टी का दावा है कि जनता बदलाव चाहती है और इस बार वोट उसी दिशा में जाएगा। लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू भी उतना ही मजबूत है। ममता बनर्जी ने बीते वर्षों में महिला मतदाताओं, ग्रामीण गरीबों और अल्पसंख्यकों के बीच अपनी पकड़ मजबूत की है। 'लक्ष्मी भंडार' जैसी योजनाओं ने महिलाओं के बीच भरोसा पैदा किया है, जबकि अन्य सामाजिक योजनाओं ने गरीब तबकों को सीधे लाभ पहुंचाया है। यही कारण है कि भाजपा के आक्रामक अभियान के बावजूद टीएमसी का आधार पूरी तरह हिलता नजर नहीं आता। इसके अलावा, भाजपा की रणनीति में एक अहम किरदार हैं शुभेन्दु अधिकारी, जो कभी ममता बनर्जी के करीबी सहयोगी थे और अब उनके सबसे बड़े राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी बन चुके हैं। शुभेन्दु अधिकारी ने नंदीग्राम में ममता बनर्जी को मात दी थी और इस बार ममता बनर्जी को उनके गढ़ भवानीपुर में चुनौती दे रहे हैं। शुभेन्दु अधिकारी राज्य में भाजपा का चेहरा बनने का प्रयास कर रहे हैं हालांकि, उनका प्रभाव सीमित इलाकों तक ही केंद्रित माना जाता है, और पूरे बंगाल में एक व्यापक लहर खड़ी करना उनके लिए आसान नहीं है।

हम आपको याद दिला दें कि 2019 के लोकसभा चुनाव भाजपा के लिए पश्चिम बंगाल में टर्निंग प्वाइंट साबित हुए थे। पार्टी ने उस चुनाव में अप्रत्याशित सफलता हासिल करते हुए खुद को एक मजबूत विपक्ष के रूप में स्थापित किया था। उसी प्रदर्शन के आधार पर भाजपा को उम्मीद थी कि वह विधानसभा चुनाव में सत्ता तक पहुंच सकती है। लेकिन बाद के चुनावी अनुभवों ने यह भी दिखाया कि लोकसभा और विधानसभा की राजनीति में मतदाताओं का व्यवहार अलग हो सकता है। एक और चुनौती भाजपा के सामने सांस्कृतिक और भाषाई असंतुलन की है। बंगाल की अपनी विशिष्ट पहचान है, और यहां बाहरी बनाम स्थानीय का मुद्दा अक्सर उभरता रहता है। भाजपा के कई नेताओं के बयान और रणनीतियां कभी-कभी स्थानीय संवेदनशीलताओं से मेल नहीं खातीं, जिससे पार्टी को नुकसान उठाना पड़ता है। टीएमसी इस मुद्दे को भुनाने में माहिर रही है और खुद को 'बंगाल की असली आवाज' के रूप में पेश करती है। इसके अलावा, मतदाताओं के एक हिस्से में यह धारणा भी है कि भाजपा की राजनीति अत्यधिक ध्रुवीकरण पर आधारित है। धार्मिक और पहचान की राजनीति का असर भले कुछ क्षेत्रों में दिखता हो, लेकिन पूरे राज्य में यह रणनीति कितनी कारगर होगी, इस पर सवाल बना हुआ है। बंगाल का सामाजिक ताना-बाना जटिल है, और यहां की राजनीति सिर्फ एक मुद्दे पर नहीं टिकती। दूसरी ओर, टीएमसी के खिलाफ असंतोष को पूरी तरह नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता। ग्रामीण इलाकों में विकास की असमानता, स्थानीय स्तर पर भ्रष्टाचार और रोजगार के अवसरों की कमी जैसे मुद्दे लोगों के बीच चर्चा में हैं। भाजपा इन्हीं सवालों को उठाकर खुद को एक वैकल्पिक शक्ति के रूप में स्थापित करना चाहती है। वैसे बंगाल की चुनावी लड़ाई सिर्फ आंकड़ों और नारों की नहीं है, बल्कि भावनाओं, पहचान और भरोसे की भी है। भाजपा के पास आक्रामक अभियान और राष्ट्रीय नेतृत्व का समर्थन है, लेकिन टीएमसी के पास जमीनी नेटवर्क और ममता बनर्जी की व्यक्तिगत लोकप्रियता है। इसलिए, यह कहना जल्दबाजी होगी कि सत्ताविरोधी लहर किसके पक्ष में जाएगी।

मतदान की प्रक्रिया में गड़बड़ी होती रही

पी चिदंबरम ने अपने लेख में यह बताने की कोशिश की है और बडे मासूम तरीके से की है कि हर राज्य में जितने वयस्क नागरिक हैं लगभग उतने नाम मतदाता सूची में होने चाहिए।

अजीत द्विवेदी

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने रविवार, 22 मार्च को 'इंडियन एक्सप्रेस में अपने साप्ताहिक कॉलम में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर में कटने वाले नामों के आंकड़े दिए, उस पर आधारित एक निष्कर्ष निकाला और एक दिलचस्प सवाल उठाया। उन्होंने लिखा कि लाखों वयस्क लोग, औसतन 10 फीसदी, मतदाता सूची से गायब हैं। इसके बाद उन्होंने सवाल उठाया, 'क्या गायब लोग वयस्क हैं, हां। क्या वे लोग नागरिक हैं, हां, जब तक कि इसके उलट कोई बात प्रमाणित नहीं होती है, फिर वे क्यों गायब हैं? बहुत दिलचस्प है यह सवाल। वे कह रहे हैं कि हर राज्य की वयस्क आबादी में से औसतन 10 फीसदी लोगों के नाम मतदाता सूची में नहीं शामिल किए जा रहे हैं और चूंकि उनको विदेशी या घुसपैठिया भी नहीं बताया जा रहा है फिर उनके नाम क्यों काटे जा रहे हैं? उनके लेख के साथ आंकड़ों की टेबल है, जिसमें बताया गया है कि एसआईआर से पहले की मतदाता सूची के मुकाबले एसआईआर के बाद की मतदाता सूची में बिहार में छह फीसदी, छत्तीसगढ़ में 12 फीसदी, केरल में साढ़े तीन फीसदी, मध्य प्रदेश में छह फीसदी, राजस्थान में छह फीसदी, तमिलनाडु में साढ़े 12 फीसदी नाम कटे हैं। उन्होंने बताया है कि बिहार में पहले कुल वयस्क आबादी में से 96.7 फीसदी लोगों के नाम मतदाता सूची में थे, जबकि एसआईआर के बाद आई सूची में 90.7 फीसदी लोगों के नाम हैं। यानी वयस्क आबादी में से 9.3 फीसदी लोगों के नाम मतदाता सूची में नहीं हैं। उन्होंने सात राज्यों के आंकड़े दिए हैं।

सबसे दिलचस्प आंकड़ा उनके अपने राज्य तमिलनाडु का है। एसआईआर से पहले तमिलनाडु की वयस्क आबादी के मुकाबले 106.8 फीसदी नाम मतदाता सूची में थे और अब 94.3 फीसदी हैं। उम्मीद थी कि टेबल में दिए गए इस आंकड़े की वे कुछ व्याख्या करेंगे और बताएंगे कि अनुमानित वयस्क आबादी से करीब सात फीसदी ज्यादा मतदाता तमिलनाडु की मतदाता सूची में कैसे थे और इनके नाम कट गए तो ये लोग क्लेम करने के लिए आगे क्यों नहीं आए? लेकिन उन्होंने इस बारे में कुछ नहीं कहा है।

पी चिदंबरम ने अपने लेख में यह बताने की कोशिश की है और बडे मासूम तरीके से की है कि हर राज्य में जितने वयस्क नागरिक हैं लगभग उतने नाम मतदाता सूची में होने चाहिए। सवाल है कि क्या वे इतने नासमझ हैं कि मौजूदा समय के बदलावों को नहीं समझ रहे हैं? क्या देश के अंदर और बाहर हुए पलायन या प्रवासन की परिघटना को चिदंबरम नहीं समझते हैं? क्या वे जनगणना में होने वाली गड़बड़ियों और गिनती में दोहराव की संभावना को नहीं समझते हैं? प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की ओर से एक रिपोर्ट तैयार की गई है, जिसके मुताबिक 2023 में भारत में प्रवासन की दर 28.88 फीसदी थी। यह 2011 के मुकाबले लगभग 12 फीसदी कम थी। फिर भी संख्या के लिहाज से देखें तो देश के 40 करोड़ से ज्यादा लोग अपने मूल निवास से दूर किसी दूसरे जिले या किसी दूसरे राज्य में रहते थे।

बिबेक देबरॉय और देवी प्रसाद मिश्र द्वारा तैयार की गई इस रिपोर्ट में बताया गया है कि 75 फीसदी के करीब लोग पांच सौ किलोमीटर के दायरे में गए थे। इसे गुरुत्वाकर्षण प्रभाव कहा गया है। करीब 25 फीसदी लोग पांच सौ किलोमीटर के दायरे से बाहर थे। यानी लगभग 10 करोड़ लोग ऐसे थे, जो अपने मूल निवास से पांच सौ किलोमीटर दूर जाकर रहते थे। वे काम के सिलसिले में गए या कारोबार के सिलसिले में या शिक्षा के लिए गए यह अलग बात है। 40 करोड़ से ज्यादा लोगों के घरेलू प्रवासन के अलावा लगभग साढ़े तीन करोड़ भारतीयों ने अंतरराष्ट्रीय प्रवासन किया है। यानी विदेश में रहते हैं। एक आंकड़े के मुताबिक हर साल करीब 25 लाख लोग भारत से विदेश जा रहे हैं। अगर 2011 की जनगणना के आंकड़ों को देखें तो उत्तर प्रदेश के करीब एक करोड़ 10 लाख लोग देश के अलग अलग हिस्सों में रहते हैं, जबकि बिहार के 60 लाख लोग अलग अलग राज्यों में रहते हैं। इनमे से सबसे ज्यादा करीब 14 लाख लोग झारखंड में रहते हैं।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में कट रहे नामों के आधार पर पी चिदंबरम ने एक एकपक्षीय निष्कर्ष निकाला है। उन्होंने इसके दूसरे पहलुओं की व्याख्या करने की आवश्यकता नहीं समझी है। जैसे घरेलू और विदेशी प्रवासन के आंकड़े को उन्होंने संज्ञान में नहीं लिया। अगर घरेलू प्रवासन करने वाले 40 करोड़ और विदेश में रहने वाले साढ़े तीन करोड़ लोगों में से एक चौथाई भी अपने मूल निवास की बजाय दूसरी जगह मतदाता बन गए हैं तब भी यह संख्या लगभग 11 करोड़ होगी। वास्तविक संख्या निश्चित रूप से इससे ज्यादा होगी। इसी तरह उन्होंने इस संभावना को भी संज्ञान में नहीं लिया है कि अनुमानित वयस्क आबादी क्या सचमुच उतनी है जितनी बताई जा रही है या मतदाता सूची में जितने नाम शामिल हो रहे हैं उतनी ही वयस्क आबादी है?

ध्यान रहे आखिरी बार जनगणना 2011 में हुई थी उसके बाद के आंकड़े अनुमान पर आधारित हैं, जिनके बारे चिदंबरम ने लिखा है कि आजकल इतने आधुनिक टूल्स आ गए हैं कि अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है। फिर भी अगर खुले दिमाग से सोचें तो यह सवाल तो उठ सकता है कि 2011 में जनगणना ज्यादा गंभीरता से, गहराई से और ज्यादा दस्तावेजों की जांच करके हुई थी या आज एसआईआर का काम ज्यादा गंभीरता से हो रहा है? बहुत संभव है कि जनगणना के आंकड़ों में कमी हो, गिनती में दोहराव हुआ हो और एसआईआर के बाद बन रही सूची वास्तविकता के ज्यादा नजदीक हो। पूरी तरह से परफेक्ट होने की बात कोई नहीं कह सकता है। अगर वे इन बातों का संज्ञान लेते और औसतन 60 से 70 फीसदी वोट पड़ने की वास्तविकता के साथ उसको मिला कर देखते तब उनको निश्चित रूप से समझ में आता कि राज्यों की मतदाता सूचियां घोस्ट मतदाताओं से भरी हैं और इसलिए तमाम प्रयास के बावजूद ज्यादातर राज्यों में मतदान का प्रतिशत नहीं सुधरता है। अभी तक एसआईआर के बाद सिर्फ एक राज्य में चुनाव हुआ है और वह राज्य है बिहार। बिहार में एसआईआर से पहले 2021 के विधानसभा चुनाव में 57 फीसदी से कुछ ज्यादा मतदान हुआ था, जबकि एसआईआर के बाद 2025 में 67 फीसदी से ज्यादा मतदान हुआ। करीब 10 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। अगर चिदंबरम साहेब यह सवाल पूछ रहे हैं कि बिहार की अनुमानित वयस्क आबादी के 91 फीसदी का ही नाम मतदाता सूची में क्यों शामिल है बाकी नौ फीसदी लोग कहां हैं तो साथ ही यह भी पूछना चाहिए कि 67 फीसदी ने ही वोट क्यों डाला, बाकी 33 फीसदी कहां हैं? जाहिर है कि अब भी बिहार की मतदाता सूची में बड़ी संख्या में ऐसे लोगों के नाम शामिल हैं, जो बिहार में नहीं रहते हैं और उनमें से बहुत से लोग ऐसे होंगे, जिन्होंने दूसरी जगह भी मतदाता पहचान पत्र बनवा रखा होगा।

ऐसे ही पी चिदंबरम ने इस बात का भी संज्ञान नहीं लिया कि जिन लोगों के नाम कट रहे हैं अगर उन्हें काटने का आधार सही है तो फिर इनके नाम मतदाता सूची में क्यों थे और उसका लाभ किसको मिल रहा था? यह बहुत जरूरी सवाल है कि मतदाता सूची में मृत लोगों का या दूसरी जगह पर शिफ्ट कर गए लोगों या एक से ज्यादा जगह मतदाताओं के नाम होने का लाभ किसको मिलता है? इसका एक निश्चित जवाब नहीं है लेकिन यह जरूर कहा जा सकता है कि हर राज्य में सत्तारूढ़ दल को इसका लाभ मिलेगा। यह भी कह सकते हैं कि अपने अपने असर वाले मजबूत इलाकों में अलग अलग पार्टियां इसका लाभ उठाती होंगी। इसका अर्थ है कि दशकों से भारत में मतदान की प्रक्रिया में गड़बड़ी होती रही है।

टिप्पणी

ईरान बनाम इस्त्रायल-अमेरिका पोप की नसीहत और कसमसाता तुर्किये

अमेरिका की हालत आज उस रस्सी की तरह है, जिसका सिरा जल जाये, मगर उसकी ऐंठन न जाये। इस्लामाबाद में हुई वार्ता की विफलता के लिये भी राष्ट्रपति ट्रंप का गरूर और ज़दि जिम्मेदार है, जबकि उनकी सनक और खब्त के फलस्वरूप अमेरिका के भीतर और बाहर उनका विरोध बढ़ता जा रहा है। ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, स्पेन, इटली, कोलंबिया और मेक्सिको के राष्ट्राध्यक्षों को छोड़ भी दें तो कैथोलिक - ईसाइयोंर के सर्वोच्च धर्मगुरु पोप पॉल चौदहवें ने भी ट्रंप की तीखी आलोचना की है। गौरतलब बात यह है कि पोप पॉल की नसीहत को गंभीरता से लेने या मानने के विपरीत ट्रंप ने पोप पॉल का मखौल उड़ाते हुये बेहद तीखी बातें कहीं हैं। वह यह नहीं समझ पा रहे हैं कि होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकेबंदी से परिस्थितियां और पेचीदा तथा बेकाबू होंगी और एशियाई तथा योरोपीय देशों में अमेरिका के प्रति विरोध की भावना में ज्वार आयेगा। अगर्चे अमेरिका इसमें विफल रहता हैं, तो भी होर्मुज के ईरानी आधिपत्य में जाने से अमेरिका को फजीहत और घाटे का सामना करना पड़ेगा। अमेरिका के लिये सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि ईरान घुटने टेकने के बजाय तबाही का सामना करने को तैयार है।

सन 1948 में अपने जन्मकाल के बाद से ही युद्ध झेल रहे इस्त्रायल का पिछली सभी लड़ाइयों में 'अपर हैंड' रहा है, किंतु इस दफा उसे पहली बार गंभीर क्षति हुई है। ईरान ने राजधानी तेल अवीव ही नहीं, हैफा और येरूशलम तक मार की है और समूचा इस्त्रायल उसकी जद में है। हूती, हिजबुल्लाह और हमास ईरान के साथ हैं और इस्लामी विश्व का शिया और सुन्नी धड़े में विभाजन नहीं होना इस्त्रायल - अमेरिका धुरी के लिये चिंता का सबब है। इस असमाप्त जंग का ताजा अहम पहलू यह है कि इस्त्रायल को सबक सिखाने के लिये तुर्किये कसमसा रहा है। तुर्क-राष्ट्रपति तैयप एर्दोगान इस्त्रायल को उसकी औकात बताने की बात कर रहे है। इस्त्रायल के मंत्री इतामार बेन ग्वीर ने जहां एर्दोगान पर अशोभन-टिप्पणी की है, वहीं नेतन्याहू ने कुर्दों के नरसंहार के लिये एर्दोगान को आड़े हाथों लिया है। गौरतलब है कि इस्तांबुल में तुर्किये अभियोजन प्राधिकरण ने नेतन्याहू, गवीर, काट्ज़ और ताली गोटलीब समेत 35 इस्त्रायलियों के खिलाफ इस्तगासा दाखिल कर करीब पाँच हजार साल तक की मांग की है। ताजा जंग से ओमान, यूएई, सऊदी अरब, कतर, बहरीन आदि में भय और बेचैनी है, वहीं आर्स्ट्रिया, स्विटरलैंड, इटली, स्पेन, ब्रिटेन एवं फ्रांस के अमेरिका को सहायता से हाथ खींचने से अमेरिका सांसत में है।

ब्लॉग

कौशल को वर्तमान बाज़ार आवश्यकताओं के अनुरूप बनाना जरूरी

भारत का 2030 कौशल मार्गदर्शिका : जनसांख्यिकीय लाभांश से आर्थिक श्रेष्ठता की ओर

निशा सिंह

भारत एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। आने वाले पाँच वर्षों में उसकी दिशा यह तय करेगी कि उसका जनसांख्यिकीय लाभांश आर्थिक शक्ति बनेगा या बेअसर साबित होगा। वर्ष 2030 तक भारत के पास विश्व की सबसे बड़ी कार्यशील आयु की जनसंख्या होने का अनुमान है, जो लगभग 1.04 अरब होगी। किंतु यह बढ़त अपने आप में सफलता की गारंटी नहीं है। विश्व आर्थिक मंच की भविष्य की नौकरी संबंधी रिपोर्ट-2025 के अनुसार वर्ष 2030 तक वैश्विक कार्यबल के लगभग 59 प्रतिशत लोगों को नई तकनीकों, आर्थिक परिवर्तनों और हरित विकास के कारण पुनः कौशल अर्जन या कौशल उन्नयन की आवश्यकता होगी। अब प्रश्न यह नहीं है कि भारत को अपने कौशल तंत्र में परिवर्तन करना चाहिए या नहीं, बल्कि यह है कि वह इसे कितनी शीघ्रता और प्रभावशीलता से कर पाता है।

पिछले एक दशक में कौशल भारत मिशन तथा कौशल विकास एवं उद्यमिता पर राष्ट्रीय नीति के अंतर्गत की गयी अनेक पहल ने सुदृढ़ आधार तैयार किया है। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, कौशल भारत डिजिटल मंच तथा विश्व बैंक समर्थित संकल्प और स्ट्राइव जैसे कार्यक्रमों ने प्रशिक्षण की संख्या से आगे बढ़कर परिणामोन्मुखी और मांग-आधारित कौशल विकास पर बल दिया है। अब जरूरत है कि कौशल को वास्तविक समय की बाज़ार आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया जाए, प्रमाणपत्रों को वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त हो तथा कौशल तंत्र में उद्यमिता को समाहित किया जाए। हालांकि विनिर्माण, सूचना प्रौद्योगिकी और स्वास्थ्य क्षेत्र में कौशल विकास का विस्तार हुआ है, फिर भी प्रबंधन, संप्रेषण, वित्तीय साक्षरता और नेतृत्व जैसे क्षैतिज कौशलों की कमी अभी भी बनी हुई है। वर्तमान में ये कौशल वैकल्पिक नहीं, बल्कि अनिवार्य हो गए हैं। संगठनों में घटती पदानुक्रम व्यवस्था और डिजिटल प्रणालियों के कारण निर्णय प्रक्रिया का विकेंद्रीकरण होने से ये हर स्तर पर आवश्यक बनते जा रहे हैं।

उद्यमिता का दायरा भी विस्तृत हुआ है। यह केवल नए व्यवसाय स्थापित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि संस्थानों और समाज में नवाचार तथा समस्या-समाधान की सोच को भी समाहित करती है। क्षेत्रीय कौशल परिषद, जो राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक और योग्यता संरचनाएँ निर्धारित करती हैं, इन कौशलों को कार्यबल में समाहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। भारत का कौशल भविष्य डिजिटल पर ज्यादा जोर देगा यानि प्राथमिकता में शामिल होगा। प्रौद्योगिकी न केवल नौकरियों को बदल रही है, बल्कि यह भी निर्धारित कर रही है कि कौशल कैसे सीखें, परखें और प्रमाणित किए जाएँ। डिजिटल मंच, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित शिक्षण तथा ऑनलाइन प्रमाणन प्रणाली कौशल विकास को व्यापक, पारदर्शी और सुलभ बना रही हैं, विशेषकर ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में।

सबसे महत्वपूर्ण यह है कि ये आजीवन शिक्षण को एक विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बना रही हैं। प्रबंधन, उद्यमिता एवं व्यावसायिक कौशल परिषद जैसे संस्थान बहु-क्षेत्रीय कौशल ढाँचों के महत्व को रेखांकित करते हैं। प्रबंधन, उद्यमिता और व्यावसायिक कौशलों पर ध्यान केंद्रित कर ये विभिन्न उद्योगों और कार्यक्षेत्रों में श्रमशक्ति की गतिशीलता को प्रोत्साहित करते हैं। वर्तमान में कौशल तंत्र में शैक्षणिक संस्थानों, उद्योगों और वैश्विक अनुभवों का समावेश बढ़ रहा है, जिससे शिक्षा, प्रशिक्षण और रोजगार के बीच की दूरी कम हो रही है। प्रगति के बावजूद, भारत में व्यावसायिक कौशल को अभी भी पारंपरिक शिक्षा की तुलना में कम महत्व दिया जाता है। इस धारणा को बदलना अत्यंत आवश्यक है। कौशल विकास को एक विकल्प के रूप में नहीं, बल्कि आर्थिक उन्नति और रोजगार सृजन के मुख्य माध्यम के रूप में स्थापित करना होगा।

वर्ष 2030 के लक्ष्य को देखते हुए चार प्रमुख प्राथमिकताएं तय की गयी हैं, जिस पर भारत को अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का पूर्ण उपयोग करने के लिए विशेष ध्यान देना होगा। इसमें पहला है- डिजिटल एकीकरण को सुदृढ़ करना, सभी प्रशिक्षण कार्यक्रमों में डिजिटल साक्षरता, आँकड़ा विश्लेषण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता को सम्मिलित करना। दूसरा उद्यमिता को प्रोत्साहन देना ताकि रोजगार खोजने वालों के साथ-साथ रोजगार सृजन करने वालों को तैयार किया जा सके। तीसरा प्रमुख बिंदु है- उद्योग से समन्वय बढ़ाना ताकि प्रशिक्षण को प्रासंगिक और मांग-आधारित बनाए रखने के लिए उद्योगों के साथ निरंतर सहयोग बना रहे। चौथा और आखिरी प्रमुख बिंदु है- साझेदारी के माध्यम से विस्तार करना, ताकि सरकार, उद्योग, शिक्षण संस्थानों और कौशल संगठनों के बीच समन्वित प्रयासों को सुदृढ़ बनाया जा सके। भारत का जनसांख्यिकीय लाभांश एक ऐतिहासिक अवसर प्रदान करता है, किंतु इसकी सफलता इस पर निर्भर करेगी कि हम ऐसा कार्यबल तैयार कर सकें जो केवल कुशल ही नहीं, बल्कि अनुकूलनशील, नवाचारी और डिजिटल रूप से दक्ष भी हो। "कौशल भारत" से आगे बढ़कर "कुशल भारत" बनाने के लिए नीति, प्रौद्योगिकी और संस्थागत समन्वय में व्यापक परिवर्तन आवश्यक है।

(यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं, लेखिका प्रबन्धन एवं उद्यमिता तथा व्यावसायिक कौशल परिषद (एमईपीएससी) में कारपोरेट संचार प्रमुख हैं)

गैस चोरी के कारोबार में दो को पकड़ा, मुकदमा

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के रामनगर भड़सरा में जिला पूर्ति विभाग की टीम ने छापेमारी कर अवैध गैस चोरी के बड़े कारोबार का खुलासा किया है। पूर्ति निरीक्षकों की संयुक्त टीम ने मौके से दो पिकअप वाहनों पर लदे 50 घरेलू गैस सिलेंडर और गैस रिफिलिंग के उपकरण बरामद किए हैं। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज किया है ।जिला पूर्ति अधिकारी को मुखबिर से सूचना मिली थी कि रामनगर भड़सरा स्थित स्वर्गीय चंद्रेश सिंह के आम के बाग में अवैध रूप से गैस की रिफिलिंग की जा रही है। सूचना के आधार पर पूर्ति निरीक्षक सिरकोनी अर्चना सिंह, पूर्ति निरीक्षक आशुतोष त्रिपाठी, योगेंद्र यादव और क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी योगेंद्र कुमार की टीम ने बताए गए बताए गए स्थान पर छापेमारी की । टीम के पहुंचते ही बाग में अफरा-तफरी मच गई और कुछ लोग मौके से फरार हो गए। जांच के दौरान बाग में खड़ी दो मैजिक गाड़ियों के पास भारी मात्रा में इंडेन कंपनी के घरेलू सिलेंडर रखे मिले । मौके पर बांसुरी (रिफिलर यंत्र) के जरिए एक सिलेंडर से दूसरे सिलेंडर में गैस चोरी की जा रही थी ।मौके से पकड़े गए चालकों की पहचान प्रवीण उर्फ साधू निवासी इटौरी बाजार (थाना सरायख्वाजा) और सत्येन्द्र कुमार निवासी गोधना (थाना लाइन बाजार) के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे जौनपुर गैस सर्विस के गोदाम से सिलेंडर लोड करने के बाद बाग में लाकर गैस कटिंग और रिफिलिंग का अवैध धंधा करते थे । तौल करने पर अधिकांश सिलेंडरों में एक से तीन किलोग्राम तक गैस कम पाई गई।

बाइक पलटने से 4 घायल, एक गंभीर

जौनपुर। लाइन बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत चैकिया चैराहे पर शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। यहां एक तेज रफ्तार ई-रिक्शा ने खड़ी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे ई-रिक्शा पलट गया और उसमें सवार चार लोग घायल हो गए। वहीं बाइक सवार युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुल्तानपुर जिले के कटघरा चिरानीपट्टी निवासी विवेक निषाद (20), शुभम निषाद (22) और उर्मिला देवी (36) चैकिया माता के दर्शन के लिए जौनपुर आए थे। रोडवेज बस से उतरने के बाद उन्होंने चैकिया चैराहे तक जाने के लिए ई-रिक्शा किया था ।जैसे ही ई-रिक्शा चैकिया चैराहे पर पहुंचा, वहां पहले से खड़ी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि ई-रिक्शा पलट गया और उसमें सवार सभी लोग बुरी तरह घायल हो गए।हादसे में बाइक सवार अमित यादव (24), निवासी सलोनी महिमापुर थाना गौरा बादशाहपुर, भी गंभीर रूप से घायल हो गया।

हनुमान जी की तरह विरोधियों के खिलाफ बजाना होगा डंका: बाबा बागेश्वर

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। प्रयाग उत्थान समिति की ओर से आयोजित संगम नगरी के अरैल क्षेत्र में राष्ट्र हनुमंत कथा के तीसरे दिन पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने सुंदरकांड का भावपूर्ण वर्णन करते हुए कहा कि हनुमान जी के स्वभाव से स्पष्ट है कि जो राम का द्रोही है, वह उनका भी शत्रु है। उन्होंने आह्वान किया कि जिस तरह हनुमान जी ने लंका में जाकर डंका बजाया था, उसी तरह हमें भी भारत में रहकर हिंदू विरोधियों के खिलाफ डंका बजाना होगा।

उन्होंने कहा कि आज मनुष्य अपने मूल मार्ग से भटक गया है और आए थे हरि भजन को ओटन लगे कपास वाली स्थिति में फंसकर रह गया है। अगर मूल में भूल करोगे तो न जीवन जी पाओगे और न ही मंजिल तक पहुंच पाओगे। पंडित धीरेंद्र कृष्ण

शास्त्री ने हिंदू राष्ट्र के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि जब हम हिंदू जागृति की बात करते हैं, तो कुछ लोग हमारा विरोध इसलिए करते हैं क्योंकि हमने सोए हुए हिंदुओं को जगा दिया है। वर्तमान में विडंबना यह है कि हिंदू ही हिंदू का विरोध कर रहा है और ऐसे लोगों की मंशा में खोट साफ नजर आता है।

मुख्य कथा से पूर्व शाम चार बजे से 7 बजे तक दिव्य दरबार लगाया गया। इस दरबार में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान समेत कई राज्य से आए भक्तों की अर्जियां स्वीकार की गईं। इस मौके पर भजन सम्राट हंसराज रघुवंशी ने भी अपनी शानदार प्रस्तुति दी। उनके शिव भजनों और भक्ति गीतों पर पंडाल में मौजूद हर श्रद्धालु झूमने लगा। समिति के प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य संयोजक डॉ. उदय प्रताप सिंह ने आए हुए विशिष्ट अतिथियों का अंगवस्त्र और स्मृति चिह्न प्रदान किया।

रामायण को जीवन में उतारा तो घर में नहीं होगा महाभारत- नीतीश भारद्वाज

प्रयाग उत्थान समिति की ओर से आयोजित तीन दिवसीय हनुमंत कथा के अंतिम दिन धारावाहिक महाभारत में भगवान कृष्ण भूमिका निभाने वाले अभिनेता नीतीश भारद्वाज शामिल हुए। उन्होंने जीवन का सार साझा करते हुए कहा कि यदि व्यक्ति अपने जीवन में रामायण के आदर्शों को उतार लें और मर्यादा पुरुषोत्तम के मार्ग पर चलें, तो उसके जीवन और घर में कभी महाभारत (कलह) नहीं होगा।

कथा के अंतिम दिन परमार्थ निकेतन के स्वामी चिदानंद मुनि महाराज और प्रख्यात कथावाचक महंत श्याम सुंदर पराशर समेत कई विशिष्ट संतों ने शिरकत की। कार्यक्रम के मुख्य यजमान डॉ. उदय प्रताप सिंह ने सपरिवार आरती कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान महापौर गणेश केसरवानी, पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी, उदय भान करवरिया, नीरज त्रिपाठी, कुमार नारायण, राजेश केसरवानी, अनुराग सिंह, अभिषेक ठाकुर आदि मौजूद रहे।

शरीर पर 42 चोट, 11 बार सिगरेट से जलाया ; कानपुर के 11 साल के दिव्यांश की गुरुकुल में हत्या ; क्या बोला आरोपी

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। कानपुर के महाराजपुर क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां गुरुकुल में पढ़ने गए 11 साल के मासूम दिव्यांश की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बच्चे के शरीर पर कुल 42 गंभीर चोटों के निशान का खुलासा हुआ है। मासूम के पीठ, हाथ, पैर और सीने पर गहरे चोट के निशान थे। इतना ही नहीं, उसके शरीर पर सिगरेट से जलाने के 11 निशान भी मिले हैं।

जानकारी के अनुसार, दिव्यांश को 15 अप्रैल को उसके परिजनों ने लखनऊ के आलमनगर स्थित रामानुज भागवत वेद विद्यापीठ गुरुकुल में दाखिल कराया था, जिसका संचालन दिव्यांश के रिश्ते में मामा लगने वाला सौरभ मिश्रा उर्फ कन्हैया कर रहा था। परिजनों को इस बात का अंदेशा भी नहीं था कि जिस पर उन्होंने भरोसा किया, वही उनके बच्चे के लिए काल बन जाएगा। आरोपी ने बीते मंगलवार को घटना को अंजाम दिया।

पुलिस जांच में सामने आया है कि गुरुकुल संचालक ने बच्चे के साथ बेरहमी से मारपीट की। आरोपी ने पूछताछ में कबूल किया है कि उसने दिव्यांश को घंटों धूप में खड़ा रखा और रात भर थप्पड़, लात-घूंसे और डंडों से पीटा। इसी दौरान एक जोरदार लात लगने से बच्चा दीवार से टकराकर बेहोश हो गया। आरोपी ने पुलिस को बताया इसके बाद वह उसे वहीं छोड़कर चला गया और अगली सुबह बुधवार को आकर देखा तो उसकी मौत हो चुकी थी। इसके बाद परिजनों को उसके बीमार होने की सूचना दी थी।

परिजनों ने जताई कुकर्म की आशंका

पोस्टमार्टम में यह भी सामने आया है कि किसी भारी वस्तु से लगातार प्रहार किए गए, जिससे अंदरूनी चोटें आईं। परिजनों ने कुकर्म की आशंका भी जताई है, जिसके चलते सैंपल जांच के लिए लैब भेजे गए हैं। वहीं गुरुकुल संचालक सौरभ ने पुलिस को बताया कि दिव्यांश गुरुकुल के नियमों का पालन नहीं करता था उसके चलते और भी बच्चे उल्टी सीधी हरकतें करने लगे थे। क्लास में वह सही से पढ़ाई नहीं करता था। घटना को छिपाने के लिए आरोपी ने साजिश भी रची। पुलिस के मुताबिक, गुरुकुल के सीसीटीवी फुटेज को हटाने में उसकी करीबी महिला मित्र प्रियंका की भूमिका सामने आई है, जिसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। महिला आरोपी की प्रेमिका बताई जा रही है। मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मुख्य आरोपी सौरभ मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मृत मासूम अपने मां-बाप का इकलौते बेटा था।

मामा निकला कंस

कानपुर के महाराजपुर के गौरैया गांव निवासी नरेंद्र कुमार ने बताया कि उन्होंने अपने इकलौते बेटे को 15 अप्रैल को लखनऊ में उसके मामा के गुरुकुल में दाखिला कराया था। उन्होंने कहा कि नहीं पता था कि यह मामा कंस निकलेगा। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

पशु अस्पताल में लापरवाही की हद

सुल्तानपुर। गोलाघाट स्थित पशु चिकित्सालय में अव्यवस्थाओं का अंबार लगा हुआ है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यहां तैनात सफाई कर्मी ड्यूटी पर नजर नहीं आते, लेकिन हाजिरी रजिस्टर में उनकी उपस्थिति नियमित दर्ज की जा रही है। बिना काम किए वेतन उठाने का यह मामला अस्पताल प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। स्थानीय लोगों के मुताबिक अस्पताल में न केवल सफाई व्यवस्था बदहाल है बल्कि अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति भी संदिग्ध रहती है। जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी इस पूरे मामले को और भी संदेहास्पद बनाती है। गौरतलब है कि यह अस्पताल जिले के डीएम आवास के बेहद करीब स्थित है इसके बावजूद यहां की स्थिति सुधारने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा। हालात इतने खराब हैं कि लंबे समय से एक्स-रे मशीन और पशुओं के लिए एंबुलेंस भी बेकार पड़ी हुई हैं। बताया जा रहा है कि पूर्व में भी इन समस्याओं की जानकारी अधिकारियों को दी गई थी, लेकिन कार्रवाई के बजाय अनदेखी ही की गई।

सौंदर्य प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट द्वारा महिलाओं और बच्चियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 30 दिवसीय सौंदर्य प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन निखार ब्यूटी पार्लर खुझी मोड प्रशिक्षण केंद्र में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष मनोरमा मौर्या के द्वारा दीप प्रज्वलित कर के किया गया। अध्यक्ष उर्वशी सिंह ने ट्रस्ट द्वारा निरंतर किए जा रहे कार्यो का पूरा संक्षिप्त परिचय दिया। मुख्य अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की बच्चियों और महिलाओ को प्रमुखता से प्रशिक्षित करने का कार्य अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट परिवार के द्वारा बहुत ही सराहनीय कार्य है, हम शासन प्रशासन से निवेदन करेंगे ऐसे कल्याण कारी योजनाए जो सरकार द्वारा आयोजित होते हैं उसका भी सहयोग ट्रस्ट परिवार को मिलता रहे जिससे भविष्य में और विस्तृत रूप से

कार्य किया जा सके। जिस तरह से ग्रामीण क्षेत्र की बच्चियों और महिलाओ को जागरुक करना और उनके अधिकारों के लिए आगे आकर कार्य करना बहुत ही पुनीत कार्य है, ! ट्रस्ट द्वारा निरंतर महिलाओं और बच्चियो को आत्मनिर्भर बनाने के कड़ी में इस तरह के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं जिसके अंतर्गत हर ब्लाक और हर तहसील में इस तरह के कार्य किए जा रहे हैं! ट्रस्ट परिवार के द्वारा सदैव बेहतर कार्य किए जा रहे हैं जिसको देखते हुए हम सभी इस मुहिम का हिस्सा बनेंगे और बच्चियों और महिलाओ के लिए जो जरूरत होगी उपलब्ध कराने के साथ हम सभी ट्रस्ट परिवार के साथ खड़े रहेंगे! बहुत ही अच्छा लगा इस तरह से ग्रामीण क्षेत्र और विद्यालय की बच्चियों को इस तरह से प्रशिक्षण लेते हुए देख कर भविष्य में हमेशा आत्मनिर्भर बनाने मे इनकी एक पहल बहुत कारगर होगी! मुख्य अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष के साथ सीमा गुप्ता, क्षमा सिंह, के साथ कार्यक्रम की प्रशिक्षिका सरोज गुप्ता के द्वारा सभी बच्चियों एवं महिलाओ को किए गए बेहतर प्रदर्शन के लिए स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया! प्रशिक्षण कार्यशाला के ट्रेनर के मुख्य रूप में सरोज गुप्ता, डिम्पल गुप्ता, सुमन, आंचल, साक्षी यादव रही ! प्रशिक्षण शिविर के अन्तर्गत कुल 5 श्रेणी में प्रतियोगिता रखा गया था! जिसमें बेस्ट मेकअप के लिए रीता, , बेस्ट हेयर कट मे नेहा निषाद, श्रेया सोनकर, हेयर डू मे आंचल बेस्ट स्किन में नेहा भारती, एडवांस में प्रीति यादव रही। रामसूरत मौर्या,, धरमू गुप्ता, शहजादी गुप्ता, दिनेश, उपेन्द्र, डिम्पल, आदि उपस्थित रहे।

तालाब में बदमाश को ढूंढने उतरा गोताखोर भी डूबा, 7 दिन में 3 मौतों से मचा हड़कंप

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद से सरनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां अंकुर विहार थाना क्षेत्र के डाबर तालाब में एक बदमाश डूब गया था। उसकी तलाश में एक गोताखोर तालाब में उतरा और वह भी डूब गया। हैरानी की बात यह है कि पिछले एक सप्ताह में ऐसी तीसरी घटना है।

जानकारी के अनुसार, लोनी की डाबर कॉलोनी निवासी शादान 14 अप्रैल से लापता था। परिवार वालों ने काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। बुधवार को परिजनों को तालाब के किनारे उसकी शर्ट मिली, जिससे आशंका जताई गई कि वह तालाब में डूब गया है। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई और युवक की तलाश शुरू की गई। शादान आपराधिक प्रवृति का था।

तलाशी अभियान को तेज करने के लिए गुरुवार को दिल्ली से अनुभवी गोताखोर सरताज उर्फ भूरा को बुलाया गया। जैसे ही वह तालाब में उतरा, वह दलदल में फंस गया। कुछ ही देर में उसका संपर्क टूट गया और वह भी लापता हो गया। काफी मशक्कत के बाद शादान का शव तो बरामद कर लिया गया, लेकिन गोताखोर सरताज की तलाश देर तक जारी रही।

इससे पहले भी इसी तालाब में तीन दिन पहले एक मासूम बच्चे की डूबने से मौत हो चुकी है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि कई एकड़ में फैला यह तालाब पूरी तरह झाड़ियों और दलदल से भरा हुआ है। लंबे समय से इसकी सफाई नहीं हुई है और न ही इसके चारों ओर कोई सुरक्षा व्यवस्था या तारबंदी की गई है। इतना ही नहीं, तालाब के आसपास अवैध कब्जे और निर्माण भी हो रहे हैं, जिससे हालात और बिगड़ते जा रहे हैं।

विधायक नंदकिशोर गुर्जर मौके पर पहुंचे

घटना की सूचना मिलते ही विधायक नंदकिशोर गुर्जर मौके पर पहुंचे। उन्होंने इस पूरी घटना के लिए नगर पालिका की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया और जल्द से जल्द उचित कार्रवाई की मांग की। वहीं, गोताखोर के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और वे प्रशासन से जवाब मांग रहे हैं।

मनाया गया राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस

जौनपुर। विकास खण्ड. मड़ियाहूँ के ग्राम सभा रामपुर नद्दी के पोस्ट आफिस पर लेखपाल सुरेन्द्र सिंह ,ग्राम पंचायत अधिकारी डॉ. अजीत सिंह की उपस्थिति में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम ग्राम पंचायत अधिकारी डॉ. अजीत सिंह द्वारा दिवस विशेष पर वर्णन किया गया ।तत्पश्चात लेखपाल सुरेन्द्र सिंह ने किसान आईडी के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर पूर्व जिलाधिकारी दिनेश कुमार सिंह वीडियो कालिंग माध्यम से संबोधित किया। उन्होंने ने उपस्थित ग्रामीणों में परमानंद त्रिपाठी,रामनरेश तिवारी, गुलाबचंद मिश्र, महेन्द्र मिश्र, कुलदीप तिवारी से आनलाइन परिचयोपरांत कहा कि, पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) को सांविधानिक दर्जा देने वाले ऐतिहासिक 73वें सांविधानिक संशोधन की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 24 अप्रैल को देशभर में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाने पर जोर दिया।

बंदर ने 6 महीने पहले काटा, अब युवक को हुआ रेबीज ; हथेली में डालकर चाय-पानी पी रहा

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक युवक को बंदर के काटने के छह महीने बाद अचानक रेबीज के लक्षण दिखाई देने लगे। युवक की हालत इतनी बिगड़ गई कि वह बंदरों जैसी हरकतें करने लगा, जिससे परिवार और डॉक्टर भी चौंक गए।

दीनागढ़ी निवासी 28 वर्षीय युवक को करीब छह महीने पहले एक बंदर ने काट लिया था। उस समय उसने इस घटना को गंभीरता से नहीं लिया और न ही कोई एंटी-रेबीज टीकाकरण करवाया। धीरे-धीरे समय बीतता गया, लेकिन हाल ही में उसके व्यवहार में अचानक बदलाव आने लगा। परिवार के अनुसार, युवक असामान्य तरीके से प्रतिक्रिया देने लगा।

स्थिति बिगड़ने पर परिजन उसे तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां मौजूद इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर डॉ। खुशबू सिंह ने युवक की हालत का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि युवक का व्यवहार बिल्कुल सामान्य नहीं था। वह खुद को बंदर की तरह खुजा रहा था और चाय-पानी भी हथेली में रखकर पी रहा था। वह मंकी जैसा आवाज भी निकाल रहा था। इन लक्षणों को देखते हुए डॉक्टरों को तुरंत रेबीज का संदेह हुआ। युवक की पत्नी ने डॉक्टरों को बताया कि बंदर के काटने के बाद उन्होंने कोई इलाज या टीकाकरण नहीं करवाया था। यह लापरवाही अब गंभीर स्थिति में बदल गई। डॉक्टरों ने बिना देर किए युवक को बेहतर इलाज के लिए जीटीबी अस्पताल रेफर कर दिया, जहां उसका विशेष उपचार शुरू किया गया।

घरवालों को एंटी-रेबीज वैक्सीन लगाई गई

सावधानी के तौर पर डॉक्टरों ने युवक के संपर्क में आए परिवार के अन्य सदस्यों पिता, भाई, पत्नी और एक साल के बच्चे को भी एंटी-रेबीज वैक्सीन दी, ताकि संक्रमण के खतरे को रोका जा सके। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, समय पर उपचार मिलने से युवक की हालत में अब कुछ सुधार देखा जा रहा है, हालांकि उसकी स्थिति अभी भी निगरानी में है। इस मामले को लेकर नोडल अधिकारी डॉ। आरके गुप्ता ने लोगों से अपील की है कि किसी भी जानवर के काटने को हल्के में न लें। उन्होंने कहा कि रेबीज एक जानलेवा बीमारी है, लेकिन समय पर एंटी-रेबीज वैक्सीन लेने से इसे पूरी तरह रोका जा सकता है। इसलिए यदि किसी को कुत्ते, बंदर या किसी भी अन्य जानवर ने काटा है, तो तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर टीकाकरण जरूर करवाएं।

जिले के टॉप-टेन में स्थान बनाकर कॉलेज के छात्रों ने बढ़ाया गौरव

बल्दीराय, सुलतानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के मीरपुर स्थित कैप्टन बालचंद्र इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों ने यूपी बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। छात्रों ने शानदार अंक प्राप्त करने के साथ ही जिले के टॉप-टेन में स्थान बनाकर एक नई उपलब्धि हासिल की है। इंटरमीडिएट वर्ग में वैष्णवी मिश्रा ने 90.8% अंक प्राप्त कर जिले के टॉप-टेन में स्थान बनाया, जिससे विद्यालय परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई। इसके अलावा अनामिका (90.2%), आराधना (89.4%), स्वाती (84.8%) एवं मरियम (80.6%) ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। हाईस्कूल वर्ग में खुशी सोनी ने 89.33þ अंक प्राप्त कर विद्यालय में शीर्ष स्थान हासिल किया। वहीं छाया वर्मा (88.83%), अर्पिता यादव (86.16%) एवं दरक्शा बानो (85.83%) ने भी शानदार अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया।

निरकांरी शिविर में 188 रक्त युनिट संकलित

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जब हृदय में करुणा, प्रेम और एकत्व की दिव्य चेतना जागृत होती है, तब मानव अपने सीमित स्वार्थों से ऊपर उठकर सम्पूर्ण सृष्टि के कल्याण का सशक्त माध्यम बन जाता है। परोपकार, करुणा और परमार्थ जैसे अलौकिक मूल्यों से प्रकाशमान यह पावन अवसर उस दिव्य अनुभूति का प्रतीक बना, जहाँ "मानव को मानव हो प्यारा, एक-दूजे का बने सहारा" का संदेश केवल शब्दों तक सीमित न रहकर हृदयों में जीवंत हुआ।'मानव एकता दिवस'चुक्रवार को बाबा गुरबचन सिंह की स्मृति में, रक्तदान षिविर आयोजित किया गया। स्थानीय मीडिया सहायक उदय नारायण जायसवाल ने बताया किमानव एकता दिवस के अवसर पर मडियाहूं पडाव स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन ब्रांच जौनपुर में रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। जिसमे जिला चिकित्सालय (सदर हॉस्पिटल) के अनुभवी चिकित्सक एवं उनकी टीम ने रक्तदाताओं की समुचित स्वास्थ्य जांच के उपरांत सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से रक्तदान की प्रक्रिया सम्पन्न कराई। जिनसे 188 रक्त युनिट संकलित की गई । जनपद के कई ब्रांचो से श्रद्धालु भक्तों ने पूर्ण उत्साह और समर्पण के साथ स्वेच्छा भाव से रक्तदान करके मानव कल्याण में अपना सहयोग दिया। संपूर्ण आयोजन के दौरान स्वच्छता, सतर्कता एवं सेवा-भाव का विशेष ध्यान रखा गया, जिससे यह पहल केवल जीवनदायिनी सेवा तक सीमित न रहकर मानवता, करुणा और उत्तरदायित्व के उच्चतम आदर्श का प्रतीक बनकर उभरी।युगप्रवर्तक बाबा गुरबचन सिंह जी ने सत्य, सरलता और सद्भावना का मार्ग दिखाते हुए युवाओं को नशामुक्त जीवन अपनाने और ऊर्जा को समाजसेवा में लगाने की प्रेरणा दी।

सेंट्रल मार्केट : व्यापारियों को नोटिस जारी, अरुण गोविल पहुंचे, महिलाओं के छलके आंसू, सांसद बोले- सरकार आपके साथ

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। मेरठ के शास्त्रीनगर स्थित सेंट्रल मार्केट में दुकानों और मकानों को बचाने के लिए महिलाओं का चल रहा धरना शुक्रवार को 15वें दिन भी जारी है। गुरुवार को हालांकि शासन के उच्चाधिकारियों के साथ हुई सकारात्मक वार्ता के बाद आंदोलनकारियों के तेवर कुछ नरम पड़ते नजर आए। महिलाओं ने सरकार पर भरोसा जताते हुए राहत की उम्मीद जताई है।

इसी बीच शुक्रवार सुबह से ही आवास विकास परिषद की टीम ने सेंट्रल मार्केट में व्यापारियों को नोटिस देने की कार्रवाई शुरू कर दी, जिससे इलाके में हलचल तेज हो गई।

सेंट्रल मार्केट में धरना दे रही महिलाओं के बीच सांसद अरुण गोविल पहुंचे। महिलाओं ने रोते हुए अपनी पीड़ा सुनाई, जिस पर सांसद ने भरोसा दिलाया कि सरकार उनके साथ है और समाधान निकालने की कोशिश की जा रही है।

सात टीमों ने शुरू की नोटिस की कार्रवाई

शुक्रवार सुबह आवास विकास परिषद की सात अलग-अलग टीमों ने सेंट्रल मार्केट क्षेत्र में पहुंचकर कार्रवाई शुरू की। सबसे पहले आरटीओ रोड क्षेत्र की कई दुकानों को नोटिस दिए गए। कार्रवाई के दौरान विरोध की आशंका को देखते हुए सेक्टर-2 में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रशासन की इस कार्रवाई के चलते बाजार क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है।

14वें दिन भी जारी रहा महिलाओं का धरना

सेंट्रल मार्केट में अपनी दुकानों और घरों को बचाने के लिए महिलाएं पिछले 14 दिनों से धरने पर बैठी हुई हैं। बुधवार को मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, आवास एवं विकास परिषद के चेयरमैन पी. गुरु प्रसाद और आवास आयुक्त डॉ. बलकार सिंह ने व्यापारियों के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं सुनी थीं। अधिकारियों ने व्यापारियों से जरूरी दस्तावेज भी एकत्र किए और समाधान का आश्वासन दिया। इसी के बाद धरना स्थल पर आंदोलनकारियों का रुख कुछ नरम दिखाई दिया। वहीं आज सुबह से महिलाएं फिर से धरने पर पहुंच गईं। सेंट्रल मार्केट में चल रहे धरने के बीच शुक्रवार को मेरठ के सांसद अरुण गोविल महिलाओं के बीच पहुंचे। सांसद को देखते ही कई महिलाएं भावुक हो गईं और अपनी दुकानों व घरों को बचाने की गुहार लगाते हुए रो पड़ीं। सांसद ने महिलाओं को भरोसा दिलाते हुए कहा कि सरकार उनकी समस्या को गंभीरता से ले रही है और समाधान निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं।

सांसद बोले-मैं भगवान नहीं, आपका भाई-बेटा हूं

महिलाओं को शांत कराते हुए सांसद ने कहा, मैं कोई भगवान नहीं हूं, मैं आपका भाई-बेटा हूं और आपके परिवार का ही हिस्सा हूं। सरकार आपके साथ है और हम सब मिलकर इसका रास्ता निकालने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि व्यापारियों और स्थानीय लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए उचित समाधान खोजा जाएगा।

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता : प्रभारी मंत्री

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। मंत्री नगर विकास शहरी समग्र विकास, नगरीय विकास एवं गरीबी उन्मूलन, ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत विभाग उ0 प्र0/जनपद प्रभारी मंत्री ए0 के0 शर्मा द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित न होने के कारण महिला जन आक्रोश अभियान के संबंध में प्रेस वार्ता की गई। मंत्री ने कहा कि "यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवताः" अर्थात जहां नारी का सम्मान होता है, वहां देवता भी निवास करते हैं। हमारे शास्त्रों में, संस्कृति में महिलाओं को देवी का स्थान दिया गया है। उन्होंने कहा कि देश की समृद्धि में हमारी नारी शक्ति का महत्वपूर्ण योगदान है, जब तक नारी का सम्मान नहीं होगा, देश में समृद्धि नहीं आएगी। शक्ति स्वरूपा नारी समुदाय को उनका अधिकार देने के उद्देश्य से माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में नारी शक्ति वंदन अभियान की कल्पना की गई, वर्ष 2023 में हम उसे दिशा में आगे भी बढ़े और इस माह उसमें कुछ संशोधन किए जाने थे जिसके लिए संसद में विशेष अधिवेशन बुलाकर उसे पारित कराया जाना था तथा कानूनी रूप दिया जाना था किंतु विपक्षी पार्टियों द्वारा इस अधिनियम को पास नहीं होने दिया गया। जिसे उन्होंने नारी समुदाय का अपमान बताया और कहा कि इसी कारण नारी शक्ति आक्रोशित है, उन्होंने कहा कि हम सभी दुखी हैं, व्यथित हैं कि यह अधिनियम पास नहीं हो सका, किंतु शासन का, हमारा संकल्प है कि जब तक महिलाओं को उक्त अधिनियम अंतर्गत अधिकार नहीं मिल जाता हमारा प्रयास आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने अपील किया कि इस संदेश को जन-जन तक पहुंचाएं। सांसद राज्यसभा श्रीमती सीमा द्विवेदी, विधायक रमेश चंद्र मिश्रा, डॉ0 आर0 के0 पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती मनोरमा मौर्य, जिला अध्यक्ष भाजपा अजीत प्रजापति और डॉ0 अजय सिंह, सहित अन्य उपस्थित रहे।

एयर कंडीशनर से निकलने वाले पानी को फेंकने की न करें गलती, इन कामों में करें रीयूज

गर्मियों में एसी से निकलने वाले पानी को ज्यादातर लोग वेस्ट समझकर फेंक देते हैं। जबिक इसे कई कामों में इस्तेमाल किया जा सकता है। चलिए आपको बताते हैं कि कैसे आप एयर कंडीशनर से निकलने वाले पानी को रीयूज कर सकते हैं।

उत्तर भारत समेत देश के अधिकतर हिस्सों में गर्मी का आतंक लगातार बढ़ रहा है। कई राज्यों में हीटवेव के अलर्ट को देखते हुए स्कूलों और बच्चों के लिए गाइडलाइंस तक जारी कर दी गई है। गर्मी के बढ़ने के साथ घरों में एसी और कूलर का इस्तेमाल खूब हो रहा है। एयर कंडीशनर से घर को अंदर से ठंडा कर लिया जाता है लेकिन ज्यादातर लोग इसके आउटडोर से निकलने वाली पानी को बेकार समझते हैं। स्पिलिट क्या विंडो एसी से निकलने वाले पानी को भी लोग बेकार समझते हैं। पर क्या आप जानते हैं कि इस पानी को घर के कई कामों में इस्तेमाल किया जा सकता है।

आप इससे अपनी बाइक या कार को नॉर्मल वॉश कर सकते हैं या फिर पौधों में डालने के लिए इस्तेमाल में ले सकते हैं। क्या आप भी एयर कंडीशनर से निकलने वाले पानी को वेस्ट समझते हैं। चलिए इस आर्टिकल में आपको बताते हैं कि आप कैसे एसी के पानी का रीयूज कर सकते हैं।

पेड़-पौधों के लिए

एयर कंडीशनर से निकलने वाले पानी की आप गार्डनिंग में मदद ले सकते हैं। विंडो एसी है तो इसके नीचे बाल्टी को लगा दें और स्पिलिट एसी है तो इसके आउटडोर से आने वाले ड्रेन पाइप से पानी को स्टोर करें। रोज अपने पौधों को पानी देने के लिए इससे काफी वाटर निकल आता है। ऐसा करके आप गर्मी में पानी को वेस्ट होने से भी बचा सकते हैं और पेड़-पौधों की देखभाल करके पर्यावरण के बचाव में योगदान दे सकते हैं।

गाड़ी साफ करने के लिए

एसी से निकलने वाले पानी को स्टोर करने के बाद आप इससे अपनी कार या बाइक को क्लीन कर सकते हैं। अधिकतर मामलों में लोग पाइप लगाकर कार वॉश करते हैं जिससे काफी पानी की बर्बादी होती है। इसकी जगह सलाह दी जाती है कि बाल्टी में पानी लेकर चीजों को साफ करना चाहिए। अगर आप इसके लिए भी एसी का पानी यूज करते हैं तो इससे पानी को बर्बाद होने से बचा पाते हैं और काम भी आसान हो जाता है।

घर की सफाई में रीयूज

एयर कंडीशनर के पानी को आप घर के दूसरे कामों में इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर पौछा मारना है तो इसके लिए एसी से निकले पानी को लें। इसके अलावा टॉयलेट की क्लीनिंग के लिए भी इस वेस्ट पानी का रीयूज किया जा सकता है। इससे पानी की बचत होगी और इस तरह आप पर्यावरण के बचाव में एक योगदान भी दे पाएंगे। वैसे आप चाहे तो इस पानी को झूठे बर्तन साफ करने के लिए भी इस्तेमाल में ले सकते हैं।

नॉर्मल कपड़े धोने के लिए

आप चाहे तो अपने कपड़ों को धोने के लिए भी इस पानी को यूज में ले सकते हैं। आप चाहे तो कम गंदे होने वाले कपड़ों को इससे साफ कर सकते हैं। इसके लिए बाल्टी में इस पानी को लें और इसमें डिटर्जेंट डाल दें। अब नॉर्मल कपड़ों को भिगोकर रख दें। आधे घंटे बाद कपड़ों को दूसरे पानी से धो लें। वैसे कपड़ों की धुलाई के लिए मशीन और ज्यादा पानी चाहिए होता है। लेकिन आप छोटे या कम कपड़ों की धुलाई के लिए एयर कंडीशनर के पानी की मदद ले सकते हैं।

न काजल बहेगा, न फैलेगी लिपस्टिकगर्मियों में मेकअप से पहले करें ये काम

मेकअप न सिर्फ आपके चेहरे को एक नया लुक देता है बल्कि फीचर को डिफाइन करने का भी तरीका होता है। लेकिन गर्मियों के मौसम में पसीने के कारण मेकअप लंबे समय तक टिक नहीं पाता है। लेकिन अगर आप मेकअप से पहले कुछ आसान हैक अपना लें तो गर्मी में भी मेकअप फैलने की झंझट से बच सकती हैं।

गर्मियों का मौसम आते ही मेकअप करना किसी चैलेंज से कम नहीं है। तेज धूप, उमस और पसीना न केवल चेहरे की चमक को कम कर देते हैं, बल्कि आपके खूबसूरत मेकअप को भी बिगाड़ देते हैं। कई बार ऐसा होता है कि घर से निकलते समय लगाया गया काजल कुछ ही घंटों में बहने लगता है और लिपस्टिक भी फैलकर लुक खराब कर देती है। ऐसे में बार-बार टचअप करना भी झंझट भरा लगता है और कॉन्फिडेंस भी लूज हो जाता है। यही वजह है कि गर्मियों में अमूमन लड़कियां मेकअप करना ही छोड़ देती हैं।

अगर आप भी चाहती हैं कि आपका काजल न फैले, लिपस्टिक न बहे और मेकअप घंटों तक टिका रहे, तो मेकअप से पहले सही स्किन केयर और तैयारी करना बेहद जरूरी है। इस आर्टिकल में हम आपको कुछ ऐसे ही हैक्स बताने जा रहे हैं जिनकी मदद से आप भी पूरा दिन गर्मियों में फ्रेश मेकअप के साथ बिता सकती हैं।

आइस-सीलिंग ट्रिक

अगर आप गर्मियों में भी अपने मेकअप को पूरा दिन टिकाए रखना चाहती हैं तो आइस सीलिंग ट्रिक एक बेस्ट ऑप्शन साबित हो सकता है। इसमें आपको बर्फ को सीधा चेहरे पर रगड़ना नहीं है। बल्कि एक कपड़े में लपेटकर बर्फ के टुकड़े को हल्का-हल्का चेहरे पर प्रेस करना है। ऐसा करने से पोर्स टाइट होते हैं और पसीना भी कम निकलता है। सबसे खास बात ये स्किन को मैट फिनिश देती है। जिससे आप फाउंडेशन लगाती हैं तो वो टिका रहता है।

एलोवेरा + फिक्सिंग लेयर हैक

वैसे तो मेकअप से पहले मॉइश्चराइजर लगाना जरूरी समझा जाता है। लेकिन आपको गर्मियों में एलोवेरा जेल की एक लेयर लगानी है। इसके बाद इसे सूखने देना है। ये प्राइमर की तरह काम करता है और मेकअप को लंबे समय तक टिकाए रखने में मदद करता है। साथ ही ये पसीने को आने से भी रोकता है जिसकी वजह से चेहरे फ्रेश दिखता है। एक बार इस ट्रिक को जरूर फॉलो करें ये गेम चेंजर साबित हो सकती है।

पाउडर-सेट प्राइमिंग टेक्नीक

पाउडर सेट प्राइमिंग टेक्नीक एक प्रोफेशनल ट्रिक है। इसमें पाउडर को मेकअप शुरु करने से पहले लगाया जाता है। इससे पाउडर चेहरे का ऑयल सोख लेता है और चेहरा ऑयलफ्री हो जाता है। इसके बाद आपको फाउंडेशन अप्लाई करना है। ये एक मैट फिनिश लुक देगा। मेकअप को लंबे समय तक टिका कर रहेग। यह ट्रिक खासकर टी-जोन को स्मज होने से बचाती है।

लिप और आई लॉकिंग सीक्रेट

मेकअप में लिपस्टिक और काजल सबसे पहले फैलने लगते हैं। काजल फैलने से तो पूरा चेहरा ही काला लगने लगता है। ऐसे में आपको लिप और आई लॉकिंग सीक्रेट जानने की जरूरत है। दरअसल, इसमें मेकअप से पहले ही एक हल्की सेटिंग लेयर तैयार करनी होती है। इसके लिए आप होठों पर पहले थोड़ा सा फाउंडेशन या कंसीलर लगाकर उसे सेट कर लें। इसके बाद आपको लिपस्टिक अप्लाई करनी है। वहीं आंखों के नीचे भी यही तकनीक अपनानी है। इससे काजल और लिपस्टिक दोनों लंबे समय तक टिके रहेंगे।

रात को जल्दी सोने के बाद भी पूरी नहीं हो रही नींद , ये आदतें हो सकती हैं वजह

आजकल लोग समय पर सोने के बावजूद तरोताज़ा महसूस नहीं कर पाते और दिनपर थके हुए महसूस करते हैं। अगर आप भी इसी समस्या से परेशान हैं, तो जरूरी है कि आप अपनी रोजमर्रा की आदतों पर ध्यान दें। ताकि दिनभर आप फ्रेश फील कर सकें और इन आदतों में सुधार ला सकें।

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में अच्छी नींद किसी लग्ज़री से कम नहीं रह गई है। कई लोग समय पर सोने की कोशिश भी करते हैं, रात को जल्दी बिस्तर पर चले जाते हैं, लेकिन फिर भी सुबह उठने पर थकान, सुस्ती और अधूरी नींद का एहसास बना रहता है। ऐसा लगता है जैसे शरीर ने आराम ही नहीं किया हो। आजकल को ये समस्या काफी ज्यादा आम होती जा रही है, जो न सिर्फ हमारी फिजिकल बल्कि मेंटल हेल्थ पर भी बुरा असर डालती है।

ऐसा मान लेना कि जल्दी सो गए हैं तो शरीर को आराम मिल गया, गलत है। क्योंकि सिर्फ जल्दी सो जाना ही अच्छी और पूरी नींद की गारंटी नहीं होता। हमारी कुछ छोटी-छोटी आदतें भी ऐसी हैं जो शरीर को थका हुआ फील करवाते हैं। लेकिन ज्यादातर लोग इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। ऐसे में चलिए आपको भी बताते हैं कि वो कौन सी आदते हैं जो जल्दी सोने के बाद भी शरीर को आराम नहीं दे पाती हैं।

सोने से पहले स्क्रीन का इस्तेमाल

रात को सोने से पहले मोबाइल चलाना या फिर टीवी देखना एक दम आम रूटीन हो गया है। लेकिन ये आदत शरीर को कितना नुकसान पहुंचा रही है, कम ही लोग जानते हैं। सोने से पहले स्क्रीन का इस्तेमाल करने से ब्लू लाइट दिमाग को ये संकेत देती है कि अभी दिन है, जिससे नींद आने वाला हार्मोन मेलाटोनिन सही से बन नहीं पाता है। इसका असर यह होता है कि आप जल्दी सो तो जाते हैं, लेकिन नींद गहरी नहीं आती और बार-बार टूटती रहती है और फिर आप सुबह फ्रेश उठ नहीं पाते हैं।

अनियमित स्लीप शेड्यूल

रोजाना सोने का एक समय तक करना बेहद जरूरी है। क्योंकि रोज अलग-अलग समय पर सोना बॉडी क्लॉक को बिगाड़ देता है। ऐसे में शरीर भी कंफ्यूजन में चला जाता है। इससे नींद पूरी होने के बाद भी थकान बनी रहती है। अगर दिनपर फ्रेश रहना चाहते हैं तो रात को सोने का एक समय जरूर तय करें।

देर रात भारी या मसालेदार खाना

रात को हल्का खाना खाने की सलाह दी जाती है। क्योंकि भारी और मसालेदार खाना पाचन तंत्र एक्विट हो जाता है, जिससे शरीर को आराम नहीं मिल पाता है। इसस पेट से जुड़ी समस्याएं जैसे गैस, एसिडिटी और बेचैनी होने लगती है। जिसका सीधा असर हमारी नींद पर पड़ता है। ऐसे में हल्का और जल्दी डिनर करना बेहतर नींद के लिए जरूरी है।

तनाव और ज्यादा सोच-विचार

दिनभर का तनाव और रात में ज्यादा सोचने की आदत भी नींद पूरी न होने का बड़ा कारण बनती है। जब दिमाग शांत नहीं होता, तो शरीर आराम की स्थिति में नहीं जा पाता। ऐसे में आप सो तो जाते हैं, लेकिन दिमाग एक्टिव रहने के कारण नींद गहरी नहीं होती और सुबह उठने पर थकान महसूस होती है।

दिन में ज्यादा सोना या एक्टिविटी की कमी

दिन में लंबे समय तक सोना या फिजिकल एक्टिविटी की कमी भी रात की नींद को प्रभावित करती है। अगर शरीर दिनभर पर्याप्त थकता नहीं है, तो रात में अच्छी नींद आना मुश्किल हो जाता है। इसलिए दिन में एक्टिव रहना और दोपहर की नींद को सीमित रखना जरूरी है, ताकि रात को गहरी और सुकून भरी नींद मिल सके।

दफ्तर की बोरिंग लाइफ को कहिए अलविदा, इस शहर में हरियाली के बीच मिलेगा हाई-टेक ऑफिस

कोरोना काल में 'वर्क फ्रॉम होम' और उसके बाद 'वर्क फ्रॉम होटल' का ट्रेंड तो आपने खूब सुना होगा, लेकिन अपनी चकाचौंध और लग्जरी के लिए मशहूर दुबई अब कामकाजी दुनिया में एक और बड़ा बदलाव लेकर आया है। दुबई ने 'वर्क फ्रॉम पार्क' नाम की एक नई और अनोखी पहल शुरू की है। यह क्रांतिकारी योजना दफ्तर की उबाऊ चारदीवारी और पारंपरिक ढांचे को पूरी तरह से तोड़कर प्रोफेशनल्स को खुले आसमान और हरियाली के बीच काम करने का एक शानदार और हाई-टेक माहौल प्रदान करेगी।

प्रकृति के सुकून के बीच बिना तनाव के होगा दफ्तर का काम

गल्फ न्यूज की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, इस नई योजना के तहत शहर के खूबसूरत पार्कों में विशेष वर्किंग जोन तैयार किए जा रहे हैं। इन जगहों पर काम करने के लिए तमाम आधुनिक हाई-टेक सुविधाएं मौजूद रहेंगी। इस पहल का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि कर्मचारी बंद वातानुकूलित कमरों की बजाय ताजी हवा और प्राकृतिक सुकून के बीच अपना लैपटॉप खोलकर काम कर सकेंगे। इससे न केवल उनके काम का तनाव और मानसिक बोझ कम होगा, बल्कि उनकी रचनात्मकता (क्रिएटिविटी) भी बढ़ेगी और शहर के पार्कों में भी दिन भर रौनक छाई रहेगी।

मई 2026 से अल बरशा पॉन्ड पार्क में स्थापित होंगे ईको-फ्रेंडली केबिन

इस दिलचस्प और अत्याधुनिक प्रोजेक्ट की शुरुआत अगले ही महीने यानी मई 2026 से दुबई के प्रसिद्ध अल बरशा पॉन्ड पार्क से होने जा रही है। यहां काम करने वालों के लिए छोटे और पर्यावरण के अनुकूल (ईको-फ्रेंडली) केबिन स्थापित किए जाएंगे। इन केबिनों का डिजाइन इतना आकर्षक और प्राकृतिक रखा गया है कि ये पार्क की प्राकृतिक छटा और खूबसूरती में बिल्कुल भी खलल नहीं डालेंगे। प्रशासन का लक्ष्य है कि इस साल के अंत तक शहर के अन्य प्रमुख पार्कों को भी इसी तर्ज पर शानदार वर्कस्पेस में तब्दील कर दिया जाए।

दुबई को दुनिया में सबसे आगे ले जाने की है बड़ी तैयारी

पार्कों को काम करने की बेहतरीन जगहों में बदलने का यह आइडिया दुबई नगर पालिका की उन दूरदर्शी कोशिशों का एक अहम हिस्सा है, जो शहर को आधुनिक लाइफस्टाइल और भविष्य की जरूरतों के हिसाब से तैयार कर रही हैं। यह पूरी योजना दुबई के महत्वाकांक्षी '2040 अर्बन प्लान' और 'ष्ठ33 इकोनॉमिक एजेंडा' का हिस्सा है। इस विजन का मुख्य उद्देश्य दुबई को आर्थिक, सामाजिक और बेहतरीन जीवन स्तर के मामले में दुनिया का सबसे स्मार्ट और अग्रणी शहर बनाना है।

चीन के साथ नजदीकी कनाडा के लिए जोखिम भरा कदम : रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। कनाडा की ओर से चीन के साथ व्यापारिक संबंध मजबूत करने की कोशिश उसकी आर्थिक सुरक्षा के लिए जोखिम बन सकती है और अमेरिका के साथ उसके रिश्तों में भी तनाव पैदा कर सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, कनाडा के पूर्व राजनयिक माइकल कोवरिग ने चेतावनी दी कि चीन को लेकर ओटावा (कनाडा की राजधानी) की बदलती रणनीति एक खतरनाक कदम है, जिसे वॉशिंगटन अच्छी नजर से नहीं देख सकता और इससे उसके सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार अमेरिका के साथ चल रही बातचीत भी प्रभावित हो सकती है।

कोवरिग के अनुसार, असल समस्या यह है कि अमेरिका के साथ हमारी ज्यादातर दिक्कतों का समाधान चीन नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर कनाडा चीन के साथ ज्यादा करीब जाता है, तो अमेरिका की नजर में वह अविश्वसनीय सहयोगी लग सकता है। कोवरिग ने बताया कि कनाडा के करीब 75 प्रतिशत निर्यात अमेरिका को जाते हैं, जबकि चीन का हिस्सा सिर्फ लगभग 4 प्रतिशत है। इससे दोनों देशों पर निर्भरता का फर्क साफ दिखता है।

हाल ही में प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के नेतृत्व में कनाडा सरकार ने एक समझौते की घोषणा की, जिसमें सीमित संख्या में चीनी इलेक्ट्रिक वाहनों का आयात और कुछ कनाडाई कृषि उत्पादों पर टैरिफ में ढील जैसी बातें शामिल हैं। इस समझौते का लक्ष्य 2030 तक चीन को कनाडा के निर्यात को 50 प्रतिशत तक बढ़ाना है। कोवरिग का कहना है कि फिलहाल चीन खरीदने के बजाय बेचने की स्थिति में है और वह चाहता है कि दुनिया उसके निर्यात पर ज्यादा निर्भर हो जाए।

उन्होंने चेतावनी दी कि चीन धीरे-धीरे अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए दबाव बना सकता है। जैसे कि भविष्य में चीनी इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए तय सीमा बढ़ाने की मांग करना। उन्होंने कहा कि सस्ते आयात घरेलू उद्योगों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ठीक वैसे ही जैसे बड़े रिटेल स्टोर छोटे दुकानदारों को पीछे छोड़ देते हैं, जिससे अंत में प्रतिस्पर्धा कम हो जाती है और निर्भरता बढ़ जाती है।

उन्होंने यह भी बताया कि कैनोला, पोर्क और सीफूड जैसे सेक्टर पहले से ही चीनी बाजार पर काफी निर्भर हो चुके हैं, जिससे वे किसी भी व्यापारिक रुकावट के समय मुश्किल में पड़ सकते हैं। उन्होंने कहा, अगर चीन अचानक व्यापार बंद कर दे, तो इन सेक्टर के लोगों के लिए आर्थिक तबाही जैसा होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि ऐसी निर्भरता घरेलू नीतियों को भी प्रभावित कर सकती है।

हालांकि, कोवरिग ने चीन से पूरी तरह दूरी बनाने की बात नहीं कही। उनका कहना है कि संबंध बनाए रखने चाहिए, लेकिन बहुत सोच-समझकर और सख्त नियमों के साथ, ताकि किसी तरह का गलत फायदा न उठाया जा सके। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि दूसरे विशेषज्ञों ने भी इसी तरह की चिंता जताई है और चेतावनी दी है कि यह समझौता कनाडा-अमेरिका-मेक्सिको समझौते को फिर से बातचीत में लाने पर असर डाल सकता है।

आरबीआई ने करोड़ों ग्राहकों को दी बड़ी राहत, ऑटो डेबिट पेमेंट के नियमों में किया बड़ा बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने डिजिटल पेमेंट करने वाले करोड़ों ग्राहकों को बड़ी राहत देते हुए ऑटो डेबिट के नियमों में अहम बदलाव किया है। केंद्रीय बैंक ने डिजिटल पेमेंट के लिए नया ई-मैंडेट फ्रेमवर्क जारी कर दिया है, जिसे तत्काल प्रभाव से लागू भी कर दिया गया है। इस नए नियम का मुख्य उद्देश्य यूजर्स के डिजिटल लेनदेन को सरल, सुरक्षित और पारदर्शी बनाना है। इस बदलाव के बाद अब ग्राहकों को बार-बार होने वाले ऑनलाइन पेमेंट्स पर पहले से कहीं ज्यादा कंट्रोल मिलेगा और बिना उनकी मर्जी के खाते से पैसे कटना मुश्किल हो जाएगा।

15 हजार रुपये तक के लेनदेन के लिए नहीं होगी हअक्क की जरूरत

आरबीआई के नए ई-मैंडेट फ्रेमवर्क के मुताबिक, अब बार-बार होने वाले पेमेंट्स यानी ऑटो डेबिट के लिए 15,000 रुपये की नई लिमिट तय कर दी गई है। सबसे बड़ी राहत यह है कि इस लिमिट तक के ऑटो-पेमेंट के लिए अब ग्राहकों को ओटीपी या पिन डालने की जरूरत नहीं पड़ेगी। हालांकि, सुरक्षा के लिहाज से ग्राहकों को पहली बार रजिस्ट्रेशन करते समय एक बार एडिशनल फैक्टर ऑथेंटिकेशन (एएफए) पूरा करना होगा। इसके बाद तय लिमिट के भीतर का पेमेंट अपने आप हो जाएगा, लेकिन 15,000 रुपये से ज्यादा के किसी भी लेनदेन के लिए ओटीपी के जरिए अतिरिक्त सत्यापन करना अनिवार्य होगा।

बीमा और क्रेडिट कार्ड बिल के लिए मिली 1 लाख तक की छूट

सामान्य डिजिटल लेनदेन के अलावा, केंद्रीय बैंक ने कुछ विशेष और बड़े भुगतानों के लिए इस लिमिट को काफी बढ़ा दिया है। नए नियमों के तहत बीमा प्रीमियम का भुगतान, म्यूचुअल फंड की किश्त और क्रेडिट कार्ड बिल सेटलमेंट जैसे जरूरी ट्रांजैक्शंस के लिए यह लिमिट एक लाख रुपये प्रति लेनदेन तय की गई है। इसके साथ ही रेगुलेटर ने यह भी अनिवार्य कर दिया है कि हर रजिस्टर्ड मैंडेट की टाइमलाइन स्पष्ट रूप से तय होनी चाहिए, ताकि ग्राहकों का पूरा नियंत्रण बना रहे और वे अपनी मर्जी के अनुसार इसे कभी भी बदल सकें या हमेशा के लिए रद्द कर सकें।

खाते से पैसे कटने के 24 घंटे पहले मिलेगा प्री-डेबिट अलर्ट

नए नियमों में ग्राहकों की सुरक्षा और पारदर्शिता को बढ़ाते हुए अलर्ट सिस्टम को पूरी तरह से अनिवार्य कर दिया गया है। अब बैंकों को किसी भी रिकरिंग पेमेंट या ऑटो डेबिट से कम से कम 24 घंटे पहले ग्राहक के मोबाइल पर प्री-डेबिट की सूचना भेजनी होगी। इस अलर्ट मैसेज में मर्चेंट के नाम से लेकर कटने वाली कुल रकम और डेबिट की तारीख स्पष्ट रूप से दर्ज होगी। इस नियम का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यदि ग्राहक चाहे तो वह पैसे कटने से पहले ही उस पेमेंट को आसानी से कैंसिल कर सकता है। ऑटो डेबिट होने से पहले और पैसे कटने के तुरंत बाद भी ग्राहकों को बैंक की तरफ से फटाफट अलर्ट भेजा जाएगा।

ट्रंप का 9 करोड़ का गोल्ड कार्ड वीजा फ्लॉप? 4 महीने में सिर्फ एक शख्स को मिली मंजूरी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की गोल्ड कार्ड वीजा योजना को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। इस योजना को शुरू हुए चार महीने से ज्यादा समय बीत चुके है, लेकिन अब तक सिर्फ एक ही व्यक्ति को इसकी मंजूरी मिली है। यह जानकारी अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक ने गुरुवार को एक संसदीय समिति की बैठक में दी।

इस योजना के तहत कोई भी विदेशी नागरिक कम से कम 10 लाख डॉलर (करीब 9.4 करोड़ रुपये) देकर अमेरिका में कानूनी रूप से रह और काम कर सकता है। योजना शुरू होने के समय लुटनिक ने दावा किया था कि कुछ ही दिनों में 1.3 अरब डॉलर (लगभग

10,920 करोड़ रुपये) के गोल्ड कार्ड बेच दिए गए हैं। लेकिन अब तक सिर्फ एक व्यक्ति को मंजूरी मिलने से उस दावे पर सवाल खड़े हो रहे हैं। हालांकि, इस अंतर को लेकर उन्होंने कोई साफ जवाब नहीं दिया।

क्या है पूरी योजना?

डोनाल्ड ट्रंप ने इस योजना का प्रस्ताव पिछले साल रखा था। शुरुआत में उन्होंने इसकी कीमत 50 लाख डॉलर (47.11 करोड़ रुपये) बताई थी। उनका कहना था कि इससे दुनिया भर के अमीर और प्रतिभाशाली लोग अमेरिका आएंगे और सरकार की आमदनी बढ़ेगी। इस योजना को पुराने EB-5 वीजा प्रोग्राम की जगह लाने की बात कही गई है। EB-5 के तहत करीब 10 लाख डॉलर (9.42 करोड़ रुपये) निवेश करने और कम से कम 10 लोगों को रोजगार देने पर वीजा मिलता था।

ट्रंप प्रशासन ने क्या दलील दी?

सिर्फ एक व्यक्ति को मंजूरी मिलने पर लुटनिक का कहना है कि सैकड़ों लोग लाइन में हैं और उनके आवेदन की जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि सरकार इस योजना को बहुत सावधानी से लागू कर रही है, ताकि कोई गलती न हो और हर आवेदन की सही तरीके से जांच हो। इस योजना में आवेदन करने के लिए 10 लाख डॉलर के अलावा 15,000 डॉलर की अतिरिक्त फीस भी देनी होती है। यह फीस आवेदकों की सख्त जांच के लिए ली जाती है। यह वीजा आगे चलकर अमेरिकी नागरिकता पाने का रास्ता भी खोल सकता है। इसके अलावा कोई कंपनी 20 लाख डॉलर देकर किसी विदेशी कर्मचारी के लिए भी यह सुविधा ले सकती है। इसके लिए हर साल 1% मेंटेनेंस फीस देनी होगी।

प्लेटिनम कार्ड भी लाने की योजना

सरकार ने इस योजना के लिए एक खास वेबसाइट भी बनाई है, जिसमें अनलॉक लाइफ इन अमेरिका लिखा है और गोल्ड कार्ड की तस्वीर दिखाई गई है। इस कार्ड पर ट्रंप की फोटो, बाल्ड ईगल और स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी जैसे अमेरिकी प्रतीक बने हैं। साथ ही, सरकार भविष्य में 50 लाख डॉलर वाला ट्रंप प्लेटिनम कार्ड लाने की भी योजना बना रही है। इसके तहत कोई व्यक्ति 270 दिन तक अमेरिका में रह सकेगा और उसे अपनी विदेशी आय पर टैक्स नहीं देना होगा। लुटनिक ने पहले कहा था कि इस योजना से 1 ट्रिलियन डॉलर तक की कमाई हो सकती है और इससे देश का बजट संतुलित करने में मदद मिलेगी।

अमेरिका पर 261 लाख करोड़ का कर्ज

फिलहाल अमेरिका पर 31.13 ट्रिलियन डॉलर (लगभग 261 लाख करोड़ रुपये) का कर्ज है और इस साल करीब 2 ट्रिलियन डॉलर का बजट घाटा रहने का अनुमान है। ब्रिटेन, स्पेन, ग्रीस, माल्टा, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और इटली में भी अमीर लोगों के लिए गोल्डन वीजा जैसी योजनाएं पहले से चल रही हैं।

अमेरिका में बसने की चाहत कम हुई

गैलप के नए सर्वे के मुताबिक, अमेरिका जाकर बसने की इच्छा दुनिया भर के लोगों में कम हो गई है, हालांकि यह अभी भी सबसे पसंदीदा देश बना हुआ है। साल 2025 में किए गए सर्वे के मुताबिक, दुनिया के सिर्फ 15% वयस्क लोग अमेरिका को अपनी पहली पसंद मानते हैं, जहां वे स्थायी रूप से बसना चाहते हैं। यह पहले के मुकाबले काफी कम है। 2007 से 2009 के बीच 24% लोग अमेरिका को बसने के लिए अपनी पहली पसंद बताते थे। वहीं 2017 में यह आंकड़ा 18% था। अब 2025 में यह घटकर 15% रह गया है, जो अब तक का सबसे कम स्तर है।

नाटो से स्पेन को बाहर करो...अमेरिकी रक्षा विभाग का सीक्रेट ईमेल लीक

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान जंग के बीच अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन का सीक्रेट ईमेल सामने आया है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक इस ईमेल में पेंटागन ने स्पेन को नाटो से बाहर करने की मांग की है। ईरान जंग में स्पेन ने अमेरिका का खुलकर विरोध किया था। यह ईमेल ऐसे वक्त में सामने आया है, जब यह चर्चा चल रही थी कि नाटो को लेकर अमेरिका अच्छे और बुरे देशों की सूची तैयार कर रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक पेंटागन का कहना है कि जंग में एक तरफ जहां स्पेन ने साथ नहीं दिया। वहीं उसने खुलकर ईरान के समर्थन में बयानबाजी की। अमेरिका के खिलाफ बयान दिए। इस कारण उसे नाटो में रखा जाना सही नहीं है। जंग के दौरान स्पेन ने अमेरिका के लिए अपना एयरस्पेस भी बंद कर दिया था।

पेंटागन के ईमेल में और क्या-क्या है?

1- अर्जेंटीना के पास फ़ॉकलैंड द्वीप समूह पर ब्रिटेन के दावे सहित यूरोपीय साम्राज्यवादी कब्जों के लिए अमेरिकी राजनयिक समर्थन का पुनर्मूल्यांकन करना। यानी अमेरिका यह देखेगा कि क्या इस लैंड पर अब भी ब्रिटेन के दावे को सही माना जा सकता है?

2- नाटो से उन देशों को बाहर करवाना, जिसने ईरान जंग में उसकी मुसीबत को बढ़ाया। साथ ही जो देश जंग में अमेरिका के लिए कमजोर कड़ी साबित हुआ है, उसे नाटो के भीतर अहम पद से हटाने की बात इस ईमेल में कही गई है। इस लिस्ट में तुर्की और ब्रिटेन का नाम शामिल है।

3- अब तक अमेरिका के शीर्ष अधिकारी नाटो से बाहर निकलने की बात कर रहे थे, लेकिन जो ईमेल सामने आया है, उसमें बाहर निकलने की बात नहीं है। साथ ही ईमेल में अमेरिकी ठिकानों को बंद करने का भी कोई विकल्प नहीं है। यानी अमेरिका ईरान युद्ध के बाद भी नाटो में बना रहेगा।

अमेरिका ने तैयार किया है अच्छे और बुरे देशों की सूची

पॉलिटिको के मुताबिक ईरान जंग के बाद अमेरिका ने नाटो के भीतर अच्छे और बुरे देशों की एक सूची जारी की है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के मुताबिक जो देश नाटो के लिए रक्षा खर्च बढ़ाते हैं और अमेरिका का साथ देते हैं, उन्हें आदर्श सहयोगी माना जाएगा। अमेरिका ने अच्छे देशों की सूची में पोलैंड, जर्मनी और बाल्टिक देशों (एस्टोनिया, लातविया और लिथुआनिया), चेक रिपब्लिक और अल्बानिया को शामिल किया है। हालांकि, पोलैंड के रक्षा मंत्री ने अमेरिका के नियत पर सवाल उठाए हैं। पोलैंड के रक्षा मंत्री का कहना है कि अमेरिका बुरे वक्त में हमारा साथ देगा, इसका भरोसा नहीं है।

सऊदी से खाते में पैसा आते ही पाकिस्तान ने चुकाया यूएई का कर्ज, 1 बिलियन डॉलर की आखिरी किस्त भी दी

इस्लामाबाद, एजेंसी। सऊदी अरब से मदद मिलने के बाद पाकिस्तान ने संयुक्त अरब अमीरात का पूरा कर्ज चुका दिया है। इसकी जानकारी पाकिस्तान स्टेट बैंक ने दी है। बैंक का कहना है कि उसने तय डेडलाइन से पहले ही यूएई का सारा कर्ज चुका दिया है। यूएई ने पाकिस्तान को इस माह के आखिर तक 3.15 बिलियन डॉलर की राशि चुकाने की समय सीमा दी थी। ये पैसे पाकिस्तान ने 2019 के दौरान यूएई से कर्ज के रूप में लिए थे।

पाकिस्तान स्टेट बैंक की ओर से जारी बयान के मुताबिक पहले ही 2.15 बिलियन डॉलर की राशि यूएई को दे दी गई थी। 1 बिलियन डॉलर की आखिरी किस्त भी अब दे दी गई है। यह पैसा 2 दिन पहले ही पाकिस्तान को सऊदी अरब ने दिया था।

यूएई को पाकिस्तान ने अभी पैसे क्यों चुकाए?

1- संयुक्त अरब अमीरात ने ईरान जंग के कारण पाकिस्तान से अपना पैसा वापस मांगा था। शुरू में पाकिस्तान ने इसे चुकाने के लिए यूएई से मोहलत मांगी, लेकिन जब यूएई इसको लेकर तैयार नहीं हुआ, तब पाकिस्तान ने सऊदी और कतर से संपर्क साधा।

2- यूएई पाकिस्तान से इस वक्त काफी नाराज है। दरअसल, यूएई का कहना है कि पाकिस्तान ईरान और अमेरिका के बीच सीजफायर में कूदकर यूएई के हितों के साथ खिलवाड़ कर रहा है। इसलिए यूएई पाकिस्तान को किसी भी सूरत में बख्शने के मूड में नहीं है।

3- पाकिस्तान मिडिल ईस्ट में सऊदी और तुर्की के साथ गठजोड़ कर रहा है। यह मिडिल ईस्ट की सियासत में यूएई के खिलाफ है। तुरंत पैसा मांगने की एक वजह यह भी है। दिलचस्प बात है कि सऊदी ने ही यूएई के कर्ज को चुकाने के लिए पाकिस्तान को पैसे दिए हैं।

अब भी PAK पर 130 बिलियन डॉलर का कर्ज

पाकिस्तान ने भले ही यूएई के 3.15 बिलियन डॉलर का कर्ज चुका दिया है, लेकिन अब भी उस पर करीब 130 बिलियन डॉलर का कर्ज है। चीन ने पाकिस्तान को सबसे ज्यादा कर्ज दे रखा है। 2023 के डेटा के मुताबिक पाकिस्तान ने चीन से 69 बिलियन डॉलर का कर्ज ले रखा है।

इसी तरह सऊदी से पाकिस्तान ने करीब 10 बिलियन डॉलर का कर्ज ले रखा है। इसके अलावा पाकिस्तान ने कतर और आईएमएफ समेत कई निजी संगठनों से भी कर्ज ले रखा है।

इस्लाम में महिलाओं के मस्जिद आने पर रोक नहीं:बेहतर ये कि वे घर पर ही इबादत करें

नई दिल्ली, एजेंसी। सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री के मामले में 9 जजों की बेंच में बहस हो रही है। अब इस बहस में दूसरे धर्मों की महिलाओं के धार्मिक स्थलों में दिए जाने वाले अधिकारों पर भी बात हुई। इसी दौरान मुस्लिम महिलाओं के मस्जिद में नमाज पढ़ने को लेकर सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अमानुल्लाह ने कहा ने कहा कि नमाज के लिए सभी मस्जिद जाने लगे तो बच्चों को कौन देखेगा? उन्होंने बताया कि इस्लाम में महिलाओं के घर पर नमाज पढ़ने को प्राथमिकता देने के पीछे की वजह ये कि अगर परिवार का हर सदस्य यानी महिला भी नमाज पढ़ने के लिए मस्जिद चला जाएगा, तो बच्चों की देखभाल कौन करेगा?

जस्टिस ने कहा कि हर किसी को ये पता होना चाहिए कि पैगंबर के जमाने से ही मस्जिदों में महिलाओं के नमाज पढ़ने पर कोई रोक नहीं थी, हालांकि इस्लाम में कुछ रीति-रिवाज और तरीके थे जो यह तय करते थे कि वे किस तरह से नमाज पढ़ सकती हैं। जस्टिस अमानुल्लाह की तरफ से बात

तब कही गई जब इसी मामले ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सीनियर वकील एम।आर। शमशाद की तरफ से दलील दी गई थी कि मुस्लिम महिलाओं के लिए नमाज पढ़ने के लिए अलग जगह देने के रिवाज पर कोई भी अदालत सवाल नहीं उठा सकती। वकील शमशाद ने कहा कि मस्जिदों में मुस्लिम महिलाओं के नमाज पढ़ने पर कोई रोक नहीं है, फिर भी यह बेहतर है कि वे अपने घरों में ही नमाज पढ़ें।

नमाज के लिए मस्जिद जाना जरूरी?

सबरीमाला मंदिर में प्रवेश के मामले से आस्था बनाम मौलिक अधिकारों पर बहस चल रही है। इस बहस पर वकील शमशाद ने कहा कि नौ जजों की इस बेंच को 1994 के सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले को रद्द कर देना चाहिए जो इस्माइल फारूकी मामले (राम जन्मभूमि मामले से जुड़ा) में दिया गया था, जिसमें यह फैसला सुनाया गया था कि नमाज के लिए मस्जिद जरूरी नहीं है।

शमशाद ने दलील दी कि मस्जिद इस्लाम का सार है, मुसलमानों की मूल आस्था है। सभी धार्मिक रीति-रिवाज मस्जिद से ही जुड़े होते हैं। लेकिन इस्माइल फारूकी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बिना किसी तर्क के यह फैसला सुनाया था कि चूंकि नमाज किसी भी खुले मैदान में पढ़ी जा सकती है, इसलिए नमाज के लिए मस्जिद का होना जरूरी नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि मस्जिदों में नमाज पढ़ने के मामले में महिलाओं के साथ समान व्यवहार की मांग करने वाली और उनके लिए जमात में सबसे आगे की कतार में जगह की मांग करने वाली जनहित याचिका (PIL) का जिक्र कुरान में कहीं भी नहीं मिलता है।

वकील ने दलील दी कि मस्जिद में मंदिर की तरह 'गर्भगृह'जैसा कोई कॉन्सेप्ट नहीं होता। उन्होंने कहा कि अगर मस्जिद के अंदर कोई गर्भगृह नहीं है, तो कोई भी किसी खास जगह पर खड़े होने की जिद नहीं कर सकता, या फिर नमाज की इमामत (नेतृत्व) करने के लिए सबसे आगे खड़े होने की जिद नहीं कर सकता।

'नमाज पढ़ने के लिए जमात का हिस्सा बनना जरूरी नहीं'

इस पर, भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने पूछा कि तथ्यों की स्पष्टता के लिए, क्या महिलाओं को मस्जिद में प्रवेश करने की अनुमति है? शमशाद ने कहा कि इस्लाम के सभी संप्रदायों में इस बात पर आम सहमति है कि महिलाओं के मस्जिद में प्रवेश पर कोई रोक नहीं है। लेकिन इस बात पर भी सहमति है कि महिलाओं के लिए नमाज पढ़ने वाली जमात (समूह) का हिस्सा बनना जरूरी नहीं है।

वकील शमशाद ने समझाया कि पुरुषों के लिए जमात का हिस्सा बनना अनिवार्य है, जबकि महिलाओं के लिए यह अनिवार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए बेहतर यही है कि वे घर पर रहकर ही नमाज पढ़ें और उन्हें भी उतना ही धार्मिक पुण्य मिलता है। लेकिन अगर कोई महिला मस्जिद आना चाहती है, तो वह आ सकती है।

'ये परंपरा पैगंबर साहब के समय से चली आ रही'

CJI ने पूछा कि सिवाय इसके कि वह जमात का हिस्सा नहीं बन सकती? वकील शमशाद ने कहा कि नहीं, वे जमात का हिस्सा होंगी। अगर वे मस्जिद जा रही हैं, तो उसका मकसद जमात में शामिल होना है और इसकी इजाजत है। वकील ने साफ किया। फिर जस्टिस नागरत्ना ने पूछा कि तो, क्या उनके (महिलाओं के) लिए जमात में शामिल होना जरूरी नहीं है? शमशाद ने हां में जवाब दिया और कहा कि मस्जिद में जमात में शामिल होना महिलाओं के लिए बेहतर नहीं है।

जस्टिस अमनुल्लाह ने आगे कहा kf तो इसकी वजह यह थी कि अगर घर से सब लोग चले जाएँ, तो बच्चों की देखभाल कौन करेगा? वहीं जस्टिस अमनुल्लाह ने कहा कि वहीं मस्लिम महिलाएं आगे की कतार में खड़ी होती हैं या किसी अलग जगह पर नमाज पढ़ती हैं, यह उस रीति-रिवाज से तय होता है जो पिछले 1,200 सालों से पैगंबर साहब के समय से ही चला आ रहा है।

स्कूलों में फिनलैंड के सहयोग से ट्रेन-द-ट्रेनर मॉडल, सरकार ने बताया- शिक्षा क्रांति का नया दौर

नई दिल्ली, एजेंसी। फिनलैंड के यूनिवर्सिटी ऑफ टुर्कू और पंजाब सरकार की साझेदारी से राज्य में शिक्षा का नया माहौल बनता दिख रहा है। पंजाब की स्कूली शिक्षा के लिए यह कार्यक्रम ग्लोबल एक्सपर्ट्स को शामिल करने पर केंद्रित है। यह ट्रेन-द-ट्रेनर्स मॉडल के माध्यम से पैमाने को निर्धारित करता है। जिसमें बुनियादी शिक्षा को मजबूत करने के लिए करीब 300 शिक्षकों को ट्रेनिंग दी जाएगी। फिनलैंड की यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कुकुलो-मोइकोइनेन अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन एंड केयर सेंटर का दौरा किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल पहले से ही स्थानीय क्लासरूम के साथ वैश्विक शिक्षा विशेषज्ञता को एकीकृत करके शानदार परिणाम दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग के तहत स्टेट काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग के माध्यम से शुरू की गई यह साझेदारी प्रारंभिक और बुनियादी शिक्षा में शिक्षक की भूमिका को मजबूत करने पर केंद्रित है। यह अल्पकालिक हस्तक्षेप के रूप में नहीं बल्कि पंजाब की शिक्षा प्रणाली में बाल-केंद्रित और खेल-आधारित शिक्षा को शामिल करने के लिए दीर्घकालिक संस्थागत प्रयास के रूप में तैयार की गई है, जिसमें बेहतरीन शिक्षा प्रथाओं को भी शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम शिक्षकों को शोध-आधारित तरीकों से सुसज्जित करने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि ये प्रशिक्षण सत्र चंडीगढ़ और फिनलैंड के शहरों टुर्कू तथा राउमा दोनों जगह आयोजित किए गए, जिसमें शिक्षकों को कार्यशालाओं, मार्गदर्शन प्रथाओं और स्कूलों के दौरों के माध्यम से क्लासरूम की नई तकनीकों से अवगत करवाना शामिल है। गौरतलब है कि मई 2026 तक चार समूहों में लगभग 300 शिक्षक प्रशिक्षण प्राप्त कर लेंगे, जिससे पूरे पंजाब भर के विद्यार्थियों को लाभ होगा। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने जोर देते हुए कहा कि शिक्षा को आनंदमय और दिलचस्प बनाने पर जोर दिया जा रहा है। शिक्षकों को विशेषज्ञों की सहायता वाले संदर्भ-विशिष्ट प्रोजेक्ट डिजाइन करने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया है ताकि इन विचारों को उनके अपने क्लासरूम में लागू किया जा सके।

खतरनाक मिशन पर निकलीं प्रियंका चोपड़ा, रिलीज हुआ सिटाडेल 2 का एक्शन पैक्ड ट्रेलर

बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक अपनी पहचान बना चुकी एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा हमेशा सुर्खियां में रहती है। वहीं इन दिनों वो अपनी हॉलीवुड सीरीज सिटाडेल को लेकर चर्चा में है। साल 2023 में एक्ट्रेस सीरीज 'सिटाडेल' में नजर आई थीं और इसे दर्शकों ने खूब पसंद किया था। वहीं अब तीन साल के लंबे इंतजार के बाद सिटाडेल अपने दूसरे सीजन के साथ वापसी कर रहा है। नए सीजन का ट्रेलर भी रिलीज हो गया है।

हाल ही में मेकर्स ने सिटाडेल के दूसरे सीजन का ट्रेलर रिलीज किया, जिसमें पहले से कहीं ज्यादा डार्क और खतरनाक मिशन की झलक देखने को मिली। ट्रेलर में प्रियंका एक बार फिर से नदिया सिंह के रोल में अपने एक्शन अवतार में नजर आई।

ट्रेलर में प्रियंका चोपड़ा और रिचर्ड मैडेन एक नए और खतरनाक मिशन पर निकलते हैं। एक्शन से भरपूर इस ट्रेलर में जहां ग्लोबल लेवल के हाई-रिस्क मिशन की झलक मिलती है, वहीं कई चौंकाने वाले धोखों और नए एजेंट्स की एंट्री का होती दिख रही है।

वहीं मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया है। सिटाडेल सीजन 2 अगले महीने 6 मई 2026 से ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगा। इसमें टोटल 7 एपिसोड होंगे। सीजन 2 में प्रियंका चोपड़ा और रिचर्ड मैडेन के अलावा, स्टेनली टुची, लेस्ली मैनविल, एशले कमिंग्स, जैक रेयनोर, मैट बेरी, लीना अल अरबी, मर्ले डैंड्रिज, गैब्रियल लियोन और रायना वैलैंडिंगहम भी हैं।

सिटाडेल सीजन 2 के ट्रेलर ने रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर धूम मचा दी है। यूजर्स इसे लेकर काफी एक्साइटेड नजर आ रहे हैं और हाई-ऑक्टेन एक्शन, शानदार विजुअल्स के साथ-साथ प्रियंका चोपड़ा और रिचर्ड मैडेन की केमिस्ट्री की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

बता दें, ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा लंबे टाइम के बाद इंडियन फिल्म में बड़े पर्दे पर नजर आने वाली। वो एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' का हिस्सा हैं। फिल्म में प्रियंका के साथ महेश बाबू नजर आने वाले हैं।

'लईकी लईका' के नए पोस्टर में दिखी राशा थडानी और अभय वर्मा की झलक, इस अंदाज में नजर आए दोनों सितारे

पिछले साल फिल्म 'आजाद' से बॉलीवुड में अपना डेब्यू करने वाली रवीना टंडन की बेटी अभिनेत्री राशा थडानी की नई फिल्म आ रही है। इस फिल्म का नाम है 'लईकी लईका'। इस फिल्म में राशा के साथ 'मुंज्या' फेम अभिनेता अभय वर्मा प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। आज मेकर्स ने फिल्म से दोनों के पोस्टर जारी कर दिए हैं। इन पोस्टर्स में राशा और अभय एक साथ नजर आ रहे हैं।

फिल्म एक रोमांटिक ड्रामा है। जारी हुए पोस्टर्स में फिल्म के इस अनोखे नए लुक में दोनों कलाकार आधुनिक ग्रैफिटी के साथ स्ट्रीट स्टाइल में नजर आ रहे हैं। मेकर्स ने कई पोस्टर जारी किए हैं। इनमें पहले पोस्टर में अभय वर्मा और राशा थडानी एक संकरी, धुंधली गली में एक दूसरे को गले लगाते हुए और खून से लथपथ नजर आ रहे हैं। अभय ने गहरे रंग की, टेक्सचर्ड जिप-अप जैकेट पहनी है, जिस पर फटे-पुराने निशान साफ दिख रहे हैं। वहीं राशा ने हल्के रंग की पारंपरिक कुर्ती पहनी है जिस पर खून के छींटे लगे हैं।

एक पोस्टर में अभय और राशा एक-दूसरे के कंधे पर सिर रखे हुए हैं और विपरीत दिशाओं में देख रहे हैं। दोनों के चेहरों पर खून के धब्बे नजर आ रहे हैं। मेकर्स ने दोनों के सिंगल पोस्टर भी जारी किए हैं। इसमें राशा अपने सिर को दुपट्टे से ढके हुए हैं। उनके पीछे एक गंदी दीवार नजर

आ रही है। जिस पर कई तरह के धब्बे बने हुए हैं। जबकि अभय अपने सिंगल पोस्टर में अपने हाथ से अपना मुंह छिपाए हुए हैं। इन पोस्टर्स को अपने इंस्टाग्राम पर साझा करते हुए फैंटम स्टूडियोज ने कैप्शन में लिखा है, 'प्यार, दर्द, भरोसा।' हालांकि, अभी फिल्म की रिलीज डेट सामने नहीं आई है। सिर्फ इतना लिखा गया है कि फिल्म 2026 की गर्मियों में रिलीज होगी।

फिल्म की कहानी के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। वहीं फिल्म का नाम भी अलग तरह का है, जिससे कहानी ज्यादा नहीं खुलती है। 'लाइकी लाइका' को सौरभ गुप्ता ने लिखा और निर्देशित किया है। फिल्म की बाकी कास्ट के बारे में भी अभी तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

राजा शिवाजी के ट्रेलर में मराठा योद्धा का शौर्य, संजय दत्त से भिड़े रितेश देशमुख

मराठा गौरव और अदम्य साहस की ऐतिहासिक महागाथा राजा शिवाजी का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म में रितेश देशमुख न केवल मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, बल्कि उन्होंने निर्देशन की कमान संभालते हुए छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन और उनके स्वराज्य के सपने को बड़े पर्दे पर बेहद भव्यता के साथ उतारा है। अभिषेक बच्चन, विद्या बालन और संजय दत्त जैसे सितारों की मौजूदगी ने इस ऐतिहासिक गाथा को और खास बना दिया है।

बता दें कि रितेश ने न सिर्फ इस फिल्म का निर्देशन किया है, बल्कि इसकी पटकथा भी उन्होंने खुद ही लिखी है, वहीं फिल्म का दारोमदार भी उन्हीं के कंधों पर है। ट्रेलर में रितेश देशमुख को शिवाजी महाराज के अवतार में देख प्रशंसक गदगद हैं। फिल्म के विजुअल्स और युद्ध के दृश्य मुगल काल के उस दौर को जीवंत कर देते हैं। ये फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज की मुगलों के खिलाफ जीत और उनकी रणनीतिक शक्ति को समर्पित है।

फिल्म का ट्रेलर छत्रपति शिवाजी महाराज (रितेश देशमुख) और क्रूर मुगल सेनापति अफजल खान (संजय दत्त) के बीच के ऐतिहासिक टकराव की झलक पेश करता है। तलवारबाजी और जोरदार एक्शन दृश्यों ने फिल्म के प्रति रोमांच बढ़ा दिया है। ट्रेलर शिवाजी महाराज के उस अटूट संकल्प को दिखाता है, जहां वो अपने क्षेत्र में स्वराज्य (स्व-शासन) लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। फिल्म में अभिषेक बच्चन, शिवाजी महाराज के भाई संभाजी शाहजी भोसले की भूमिका में नजर आ रहे हैं।

रितेश ने आखिरकार उन कयासों पर भी विराम लगा दिया है, जिनमें सलमान खान के फिल्म का हिस्सा होने की बात कही जा रही थी। रितेश ने मोहर लगा दी कि सलमान राजा शिवाजी में एक बेहद महत्वपूर्ण और शक्तिशाली भूमिका में नजर आएंगे। इवेंट के दौरान जैसे ही रितेश ने सलमान की मौजूदगी की पुष्टि की, वहां मौजूद अभिषेक बच्चन की प्रतिक्रिया देखने लायक थी। ये खास पल सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

मुंबई में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में फिल्म का ट्रेलर लॉन्च किया गया। इस मौके पर फिल्म की पूरी स्टारकास्ट ने शिरकत की और छत्रपति शिवाजी महाराज की इस गौरवगाथा का जश्न मनाया। रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूजा के साथ अभिषेक बच्चन, विद्या बालन और संजय दत्त ने अपनी मौजूदगी से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। छत्रपति शिवाजी महाराज की ये भव्य फिल्म 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com